केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 42 मंगलवार 3 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय 3 को बस्ती में

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय 3 सितम्बर मंगलवार को बस्ती आयेंगे। वे यहां अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में 12.30 बजे पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की बैठक के बाद जनसभा को सम्बोधित करेंगे।

यह जानकारी देते हुये कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रत्याशी देवेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि इसके पूर्व हर्रैया पहुंचने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरेन्द्र प्रताप नारायण बब्लू के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का स्वागत किया जायेगा। इसी कड़ी में वे दिन में तीन बजे देवेन्द्र श्रीवास्तव के राय जय नरायन कालोनी मालवीय रोड स्थित आवास पर पहुंच कर उपस्थित लोगों से मुलाकात करेंगे।

जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारी पूरी की जा चुकी है।

पिता की हत्या, बेटे ने लगायी न्याय की गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर बाजार थाना क्षेत्र के कोठवा भरतपुर निवासी विकास ने पुलिस अधीक्षक से अपने पिता के हत्या में शामिल लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया है।

ज्ञात रहे कि कोठवा भरतपुर में विगत दिनों एक व्यक्ति की लाश झाड़ियां में मिली थी जिसकी शिनाख्त संतोष कुमार के रूप में हुई थी। परिजनों का कहना है कि स्थानीय पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है और न्याय के लिए हम लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर क्षेत्राधिकारी सदर को ज्ञापन दिए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही न्याय मिलेगा।

ज्ञापन सौपते समय अजय सिंह, लाल चंद्र, रामानुज, राजकुमार के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रही।

सांड के हमले में युवक की मौत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

नगर बाजार (बस्ती)। नगर थाना क्षेत्र के खुटहन के पास साँड से टकरा कर तीस वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया ।मौके पर पहुँची नगर पुलिस ने एंबुलेंस से जिला अस्पताल बस्ती मे भर्ती कराया जहाँ डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

दुबौलिया थाना क्षेत्र के ऊँजी निवासी 30वर्षीय रवी पुत्र फूल चंद जरूरी कार्य से बस्ती गए थे।वहाँ से काम पूरा कर वापस घर जा रहे थे। अभी वह नगर थाना क्षेत्र के खुटहन के पास पहुँचे ही थे कि सामने अचानक एक साँड से टकरा कर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुँचे थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल बस्ती मे भर्ती कराया जहाँ देखते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस शव कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए बस्ती भेज दिया है ।थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के पास मिले मोबाइल से परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजन भी जिला अस्पताल बस्ती पहुँच गए।

बंगाल में बलात्कार की सजा मौत

कोलकाता (आभा)। कोलकाता कांड पर चहुंओर घिरी पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार बलात्कार के दोषियों को सख्त सजा देने के लिए एक ड्राफ्ट कानून मंगलवार को विधान सभा में पेश करने जा रही है। सरकार ने इस ड्राफ्ट बिल में बलात्कार के दोषी व्यक्तियों के लिए सजा–ए–मौत का प्रस्ताव किया है। ड्राफ्ट बिल के मुताबिक यदि दोषी बलात्कारी की करतूतों के कारण पीड़िता की मौत हो जाती है या वह अचेत अवस्था में चली जाती है, तो उसे सजा–ए–मौत देने का प्रावधान किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ड्राफ्ट बिल में यह भी प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार या सामूहिक बलात्कार के दोषी लोगों को आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। इस ड्राफ्ट बिल का नाम 'अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024' रखा गया है।इस नए कानून का उद्देश्य मौजूदा कानूनों में संशोधन करना और यौन अपराधों के बारे में नए नियम जोड़कर महिलाओं और बच्चों की बेहतर सुरक्षा करना है।

ट्रेन से गिरकर हो गई थी ओम प्रकाश की मौत समाजवादियों ने दुःखी परिवार को ढाढस बधाया

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। समाजवादी पार्टी सांसद राम प्रसाद चौधरी, सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने एक प्रतिनिधि मण्डल के साथ महादेवा विधानसभा क्षेत्र के छरदही गांव पहुंचकर ओम प्रकाश चौरसिया को श्रद्धां सुमन अर्पित किया। कहा कि पार्टी दुःखी परिवार के साथ है, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्वयं प्रकरण को संज्ञान में लिया है, जितना संभव होगा दुःखी परिवार का सहयोग किया जायेगा। ज्ञात रहे कि ओम प्रकाश चौरसिया की ट्रेन हादसे में मौत हो गई थी।

सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बताया कि विधान सभा क्षेत्र महादेवा के ग्राम छरदही निवासी ओम प्रकाश चौरसिया अपनी बहन को लेकर मुम्बई जाने के लिए खलीलाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के दौरान धक्का मुक्की में ट्रेन से नीचे गिर गये घायल अवस्था में लोगों ने खलीलाबाद स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार हेतु भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने खराब स्वास्थ्य के कारण लखनऊ ट्रामा सेन्टर रिफर कर दिया जिनकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी थी।

प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के निर्देश के अनुरूप सपा प्रतिनिधि मण्डल में शामिल सांसद राम प्रसाद चौधरी, सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, हरीश चौरसिया एडवोकेट, राम नरेश चौरसिया, सूर्या चौरसिया आदि ने दुःखी परिवार से मिलकर ढाढस बंधाते हुये कहा कि दुःखी परिवार को पार्टी हर संभव सहयोग करेगी।

दूकानों पर सीसीटीवी, सायरन लगवा लें स्वर्ण व्यापारी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने जनपद के स्वर्ण व्यापारियों से विस्तृत वार्ता किया और सुरक्षा के साथ ही अन्य मुद्दों पर उनसे सुझाव भी मांगें। उन्होने स्वर्ण व्यापारियों से आग्रह किया कि वे अपने दूकान, प्रतिष्ठानों में सी.सी.टी.वी. कैमरा और सायरन अवश्य लगवा लें जिससे किसी अप्रिय घटना को समय से रोका जा सके। इससे चोरी, डकैती आदि के मामले त्वरित, प्रभावी ढंग से निस्तारित हो सकेंगे।

अपर पुलिस अधीक्षक ने सर्राफा, स्वर्ण व्यवसाय संघ के पदाधिकारियों से कहा कि पुलिस द्वारा व्यापारियों को सुरक्षा से जुड़े पुलिस कन्ट्रोल रूम सहित अन्य आवश्यक नम्बर उपलब्ध करा दिये जायेंगे जिसे वे दूकानों, प्रतिष्ठानों पर चश्पा करा ले जिससे संकट के समय सुविधा रहे। कहा कि पुलिस प्रशासन सर्राफा, स्वर्ण व्यवसाय संघ के साथ है और हर संभव सहयोग किया जायेगा।

बैठक में सी.ओ. सदर सत्येन्द्र भूषण तिवारी, शहर कोतवाल विजय दूबे, विभिन्न थाना क्षेत्रों के थानाध्यक्ष के साथ ही सर्राफा, स्वर्ण व्यवसाय संघ के कुन्दनलाल वर्मा, हरि ओम प्रकाश 'लल्ला', विश्वनाथ वर्मा, सुनील गुप्ता, गुड्डू सोनी, रूपेश सोनी, प्रभात सोनी, आलोक सोनी, सूरज सोनी, वृजमोहन सोनी, रजनीश गुप्ता, सुरेन्द्र प्रसाद वर्मा, विशाल कुमार, महेन्द्र कुमार सोनी, प्रमोद सोनी के साथ ही बड़ी संख्या में स्वर्ण व्यापारी मौजूद रहे।

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज पीड़ितों ने किया न्याय की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। रूधौली पुलिस ने तिगोडिया निवासी शिवचरन पुत्र राम लगन की तहरीर पर मारपीट के मामले में गांव के ही सुदामा, मनीष, अनिल, राम अवतार, धनई, सन्तोष, कृष्ण कुमार, मनोज यादव, उमेश यादव, गीता, पुष्पा, आरती के विरूद्ध बी.एन.एस. की धारा 191 (2), 191 (3), 110, 351 (2), 117 (2), 115 (2) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है।

पुलिस को दिये तहरीर मे तगोडिया निवासी शिवचरन पुत्र राम लगन ने कहा है कि गांव के ही उक्त लोगों ने बच्चों के बीच विवाद को लेकर उसके चाचा राम मिलन को बुरी तरह से नसीबगंज चौराहे पर रोक कर मारा पीटा। बीच बचाव करने गये शिवचरन के भाई पवन कुमार को बुरी तरह से मारा पीटा जिससे उसका सिर फट गया और हाथ में काफी चोटे आयी। शिवचरन ने इस मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

होम्योपैथिक चिकित्सा क्षेत्र में अन्डमान निकोबार में सम्मानित किये गये डा. वी.के. वर्मा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में तीन दशक से निरन्तर सेवा के साथ ही शोध क्षेत्र में सक्रिय जिला अस्पताल में आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा को 29 अगस्त को केन्ट होम्योपैथी मेडिकल कालेज एण्ड हास्पिटल अन्डमान निकोबार में आयोजित होम्योपैथिक सम्मेलन में डा. एच.पी. सिंह मेमोरियल एवार्ड से सम्मानित किया गया।

डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि केन्ट होम्योपैथी मेडिकल कालेज एण्ड हास्पिटल अन्डमान निकोबार में आयोजित सम्मेलन में देश विदेश के अनेक वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सकों ने हिस्सा लिया और उन्होने गुर्दे एवं पित्त की पथरी रोग में होम्योपैथिक औषधियों की भूमिका पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

5 दिवसीय अन्डमान निकोबार की यात्रा से लौटने के बाद डा. वर्मा ने बताया कि होम्योपैथिक सम्मेलन में हिस्सा लेने के साथ ही उन्होने समुद्री मार्ग की यात्रा किया और जिस कारागार में वीर सावरकर के साथ सैकड़ों स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बंद थे वहां पहुंचे। इस क्षेत्र को ही कभी काला पानी कहा जाता था। केन्ट होम्योपैथी मेडिकल कालेज एण्ड हास्पिटल अन्डमान निकोबार के निदेशक डा. उत्पल कुमार, डा. साक्षी यादव ने डा. वी.के. वर्मा को विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी में डा. एच.पी. सिंह मेमोरियल एवार्ड से सम्मानित किया ।

डा. वी.के. वर्मा को डा. एच.पी. सिंह मेमोरियल एवार्ड से सम्मानित किये जाने पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.एस. दूबे, एस.आई.सी. डा. बी.के. सोनकर, डा. सुरेश चन्द्र कौशल, डा. रामेश्वर मिश्र, डा. बी.बी. मिश्र, डा. के.के. सिंह, डा. रंजीत सिंह, डा. ए.के. चौधरी, डा. एस.बी. सिंह, डा. राम प्रकाश, डा. ए. के. वर्मा, डा. जी.एम. शुक्ल, डा. जुनेद अहमद, डा. सतीश चौधरी, डा. महेश प्रसाद, डा. आर.एन. चौधरी, डा. मनोज मिश्र, डा. चन्दा सिंह, डा. मदन सिंह, डा. इरफाना बानो, डा. रामजी सोनी, डा. एस.एस. कन्नौजिया, डा. नरेश अगग्रवाल, डा. एन.एन. त्रिगन, डा. राजेश पटेल, डा. अंकित चतुर्वेदी, डा. आर.पी. मौर्या, डा. वीरेन्द्र तिवारी, डा. एन.के. सिंह, गौतम, डा. अनिल पाण्डेय, डा. अनिल मिश्र, डा. श्याम नरायन चौरसिया के साथ ही अनेक चिकित्सकों, साहित्यकारों, समाजसेवियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

पीएम मोदी ने शुरू किया भाजपा का सदस्यता अभियान

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान–'संगठन पर्व, सदाशयता अभियान 2024' की शुरुआत की। पार्टी के कार्यक्रम में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज सदस्यता अभियान का एक और दौर प्रारंभ हो रहा है। भारतीय जनसंघ से

अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है...अगर किसी दल में आंतरिक लोकतंत्र निरंतर नहीं पनपता तो वैसी स्थिति बनती है जो आज हम देश के कई दलों की देख रहे हैं।

मोदी ने कहा कि सदस्यता अभियान का एक और दौर प्रारंभ हो रहा है। भारतीय जनसंघ से लेकर अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है। कहा कि भाजपा एक मात्र दल है। जो अपनी पार्टी के संविधान के अनुसार अक्षरशरू लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अपने कार्य का विस्तार कर रहा है ।

भाजपा नेता सुदामा का धरना समाप्तःखण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया का तबादला

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया बड़कऊ बर्मा के स्थानांतरण व 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के अन्तर्गत आने वाले गर्भूपुर,व बरसांव के किसानों के सर्किल रेट संशोधन की संस्तुति उपरान्त भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय सुदामा का बेमियादी धरना समाप्त हुआ।

ज्ञात रहे कि जनहित की समस्यायों के निराकरण में कार्यवाही न होने के चलते सोमवार को एक बार पुनः जनपद के चर्चित समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' सैकड़ों समर्थकों संग जिलाधिकारी बस्ती के चैम्बर के सामने बेमियादी धरने पर बैठ गये। अतिरिक्त मजिस्ट्रेट व कोतवाल से वार्ता में श्री पाण्डेय ने कहा कि अब वह आश्वासन पर नहीं अपितु धरने से तब हटेंगे जब हमारी न्यायिक मांगों पर कार्यवाही हो जायेगी घंटों चले जद्दोजहद के उपरान्त धरनारत सात सदस्यीय टीम से जिलाधिकारी की वार्ता में खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया के गौर स्थानान्तरण व 84कोसी परिक्रमा मार्ग के सर्किल रेट में संस्तुति के साथ साथ शीघ्र कमेटी गठित कर अवैध बालू खनन व 100शैय्या अस्पताल में हुई नियुक्ति की जांच कराने व महूघाट विशेषरगंज मार्ग पर हाईट वैरियर लगाने के आश्वासन पर धरना समाप्त हो गया ।

ज्ञात हो कि इसके पूर्व श्री पाण्डेय उक्त समस्याओं के समाधान हेतु12 अगस्त को भी धरने पर बैठे थे किन्तु आश्वासन के क्रम में कार्यवाही न होने के चलते 22 अगस्त को अनुस्मारक पत्र देकर बेमियादी धरने की चेतावनी दिया था । मिली सफलता को उन्होंने अन्याय पर न्याय की जीत बताया । इस मौके पर भाजपा नेता जगतबली सुनील सिंह, विनोद पाठक, हनुमंत प्रसाद पाठक,प्रेम त्रिपाठी, राजीव पाण्डेय, हिन्दू महासभा के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह , वेदप्रकाश त्रिपाठी, उपेन्द्र सिंह, जय प्रकाश त्रिपाठी, सत्यप्रकाश तिवारी, मोहंती गुप्ता किशन गुप्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे।

उल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण का छठ उत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। श्रीकृष्ण के छठ पूजा अवसर पर कल्चरल क्वेस्ट नृत्य धाम डांस अकादमी द्वारा जिला अस्पताल के निकट स्थित जे.पी लॉन मे 'जन्मे हैं कृष्ण कन्हाई, वशिष्ठ की नगरी, में देखो बजे बधाई' सहित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

श्री कृष्णा लड्डू गोपाल 'माधव ' जी के जन्म के छठि उत्सव पर मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर शैलजा सतीश, तथा विशिष्ट अतिथि कृति शुक्ला द्वारा श्री कृष्णा लड्डू गोपाल जी को पंचगव्य से स्नान, श्री श्रृंगार माल्यार्पण तथा छप्पन भोग का भोग लगाकर, 1001 दीपों से भव्य महा आरती किया। श्रीकृष्ण की पूजा बड़े ही परंपरागत तरीके से की गई ! डॉ. शैलजा सतीश ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण मानव इतिहास में मनुष्यता के सबसे बड़े मार्गदर्शक हैं । अतिथि श्रृंखला में डॉ नवीन श्रीवास्तव,संतोष सिंह,राहुल भैया, सुमन गिरी,आकांक्षा राज, शिवा त्रिपाठी,सरिता शुक्ला की उपस्थिति रही।

—श्री कृष्ण मनुष्यता के सबसे बड़े मार्गदर्शक—डॉ. शैलजा सतीश

कार्यक्रम संयोजक कथक गुरु मास्टर शिव ने कहा कि कृष्ण ने केवल कहा नहीं बल्कि अपने शब्दों को सरकार करके दिखाया। उनके जीवन से समस्त छात्र– छात्राएं ,नृत्य साधक प्रेरणा लें और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करें। सांस्कृतिक कार्यक्रम मे कलाकार आँशि, शालिनी, कमलेश शर्मा ,अपर्णा गिरी,चिंकी मिश्रा,तृषा चंद्र,काव्या मिश्रा, माही मिश्रा,तरुष चंद्रा,तनिष्क वर्मा, आदि ने सुन्दर प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर कमलेश शर्मा, राजकुमारी सोनी, दुर्गेश सोनी ,सुधा ,शुभम वर्मा, अदिति चौधरी,कल्पना चौधरी, हर्ष सोनी, आयुष्मान सोनी, सरिता शुक्ला, पिंकी, अंशिका,आंचल, धनुषधारी चतुर्वेदी, वीरेंद्र निषाद, इंद्रेश यादव, हनी, आदर्श के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूर्वांचल से ठगों की पार्टी सुभासपा का सफाया होगा- महेन्द्र राजभर

—सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के पदाधिकारी घोषितः राम सहाय राजभर जिलाध्यक्ष, पूर्णमासी युवा मंच जिलाध्यक्ष बने —समय आया तो काला चश्मा पहनकर ओम प्रकाश राजभर अपनों को भूल गये—राम सहाय

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । सोमवार को सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र राजभर की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला इकाई के गठन के साथ ही संगठन के मजबूती पर जोर दिया। सर्व सम्मत से राम सहाय राजभर जिलाध्यक्ष, जितेन्द्र राजभर जिला सचिव और पूर्णमासी राजभर को युवा मंच जिलाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र राजभर ने कहा कि अब पूर्वांचल से ठगों की पार्टी का सफाया होगा और राजभर समाज अब अपने स्वाभिमान की लड़ाई सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के साथ मिलकर लड़कर अपना मान सम्मान हक अधिकार प्राप्त करेगा ।

सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी जिलाध्यक्ष बनाये जाने के बाद राम सहाय राजभर ने कहा कि सुभासपा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने हमारे साथ धोखा किया। सुभासपा में 20 साल हो गया हम

अपने बिजनेस और परिवार की चिंता न करते हुए है नेताजी को झुग्गी, झोपड़ियों में ले जाकर सदन तक पहुंचाया लेकिन आज जब कुछ मिलने का समय आया तो ओमप्रकाश राजभर ने काला चश्मा पहन लिए और अपने तमाम मुद्दे को भूलकर देश की सबसे बड़ी भ्रष्टाचार पार्टी में गठबन्धन करके जहां गरीब सर्व समाज का भला नहीं हो सकता और हम जैसे जमीनी कार्यकर्ता को भूल गये । इसी शोषण से सुभासपा पार्टी से इस्तीफा देकर हमनें अपना एक नया मार्ग चुना जिससे सर्व समाज के गरीबों को हक व हिस्सा अधिकार मान सम्मान दिला सके। कहा कि सुभासपा पार्टी उत्तर–प्रदेश में कुछ गिने–चुने चमचों की पार्टी बन गई है जो राजभर बिरादरी को राजनीति में बेचकर धनउगाही करने में लगे हैं आम जिले के कार्यकर्ताओं का अपमान करना ही उक्त लोगों का राजनीति हो गया है। इसे करारा जबाब दिया जायेगा।

कार्यक्रम में रामसुमेर राजभर, आज्ञाराम राजभर, रामबहोर राजभर, रामबहाल राजभर, सूरज राजभर, रामजतन राजभर, रामतीरथ राजभर, रामगोपाल राजभर, बब्बन राजभर, अब्दुल मजीद, राकेश राजभर, संगीता देवी, लीलावती देवी, माला देवी, शिवसहाय राजभर, रामफेर राजभर, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद गुलाम, साबिर अली, संगीता राजभर, चमेली राजभर, मेवाती राजभर, दुर्गावती चौहान, सुभावती चौहान, केवली राजभर, किरन राजभर, ममता राजभर, अनीता राजभर, सुभावती राजभर के साथ ही अनेक नेता, कार्यकर्ता शामिल रहे।

सड़क पर गाड़ दिया खूटा, अतिकमण से परेशान नागरिकों ने सभासद को सौंपा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सोमवार को वार्ड नम्बर 14 गड़गोड़िया के निवासियों ने सभासद को मोहल्ले के सड़कों पर अतिक्रमण सहित विभिन्न समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

सभासद पंकज चौधरी को ज्ञापन सौंपते हुए मोहल्ले के निवासियों ने उन्हें मोहल्ले की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि मोहल्ले की आम सड़कों पर मोहल्ले के कुछ लोंगों द्वारा स्थायी रूप से खूँटा गाड़कर बकरियां बांधी जाती है। मोटर साइकिल और ऑटो भी रास्ते मे खड़ा कर दिया जाता है जिससे कि आवागमन पूरी तरह अवरूद्ध हो जाता है। जब कभी किसी राहगीर द्वारा बकरियों को ठोकर आदि लग जाती है तो समस्या उत्पन्न हो जाती है। झगड़ा करने लगते है और फौजदारी पर आमादा हो जाते है। मना करने पर कहते है कि खूँटा हमने सड़क पर गाड़ा है किसी के घर पर नहीं।

मोहल्ले के निवासी विजय प्रकाश चौधरी,चंद्रभान चौधरी, लक्ष्मण चौधरी,जिलाजीत चौधरी व राजेश चौधरी ने ज्ञापन देते हुये कहा कि इन लोंगों द्वारा भवन निर्माण हेतु लाया गया सामग्री ईंट, गिट्टी आदि भी महीनों तक सड़क पर ही छोड़ दिया जाता है जिससे कि हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अगर इन समस्याओं का समाधान न हुआ तो किसी दिन इसके गंभीर परिणाम हो सकते है। बसंत चौधरी,अनिल चौधरी,राम बचन चौधरी,सत्येंद्र चौधरी,महंथ रामकेवल दास आदि ने कहा कि अगर मोहल्ले की सड़कों पर से इन अतिक्रमणों को नही हटवाया गया तो ये एक बड़ी समस्या बन जाएगी।

ज्ञापन लेने के बाद सभासद पंकज चौधरी ने कहा कि इस समस्या का त्वरित निदान करते हुए मुहल्ले की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा अगर जरूरत पड़ी तो इसमे प्रशासन की मदद भी ली जाएगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से राज किशोर चौधरी,कन्हैया लाल चौधरी, बीरबल चौधरी,अनूप कुमार चौधरी, अवधेश कुमार,सुरेंद्र कुमार चौधरी, मोनू सहित तमाम मोहल्ले वासी लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 सितम्बर 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

बीच बहस में पेंशन

केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी समेत राजनीतिक दल और मुख्यमंत्री खुद को दुविधा की स्थिति में पाते हैं। ऐसा पैंशन के सवाल पर हो रहा है। भारत के एक निश्चित आयु के सभी नागरिकों को पैंशन नहीं मिलती। भारत में कोई भी सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है जो किसी नागरिक को पैंशन प्रदान करती हो। निजी क्षेत्र में कार्यरत लाखों लोगों को सेवानिवृत्ति पर पैंशन नहीं मिलती। यहां तक कि भारतीय रक्षा बलों में शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारियों को भी पैंशन नहीं मिलती।

जब तक जीवन प्रत्याशा कम थी, पैंशन का कोई महत्व नहीं था। कुछ लोगों को पैंशन मिलती थी, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद बहुत कम लोग लंबे समय तक जीवित रहते थे। 1947 में, जब भारत स्वतंत्र हुआ, तो जीवन प्रत्याशा 35 वर्ष से कम थी। आज, यह 70 वर्ष से थोड़ा अधिक है।पैंशन की बाध्यता, औसतन, सेवानिवृत्ति के बाद 10–12 वर्षों तक बनी रहेगी और यदि पारिवारिक पैंशन की अवधारणा है, तो यह जीवनसाथी को भी जारी रह सकती है। यही कारण है कि अधिकांश नियोक्ता पैंशन से सावधान रहते हैं।

कर्मचारियों के पास एक सशक्त तर्क है कि पैंशन लंबी और निष्ठावान सेवा के माध्यम से अर्जित अधिकार है और पैंशन एक आस्थगित वेतन हैय या पैंशन सेवानिवृत्ति के बाद सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार का मार्ग है। सरकारी कर्मचारियों के मामले में, 'पैंशन के अधिकार' ने तर्क जीता और यह सही फैसला था। जो लोग उन वर्गों की ओर इशारा करते थे जिन्हें पैंशन का अधिकार नहीं है, उनके लिए जवाब था कि पैंशन का अधिकार उन तक भी पहुंचाया जाना चाहिए। वास्तव में, सभी वर्गों के लोगों के लिए एक सार्वभौमिक पैंशन योजना होनी चाहिए। जैसे–जैसे सरकारी कर्मचारियों के लिए पैंशन की शुरुआत हुई, एक सुनिश्चित न्यूनतम पैंशन की अवधारणा ने भी जड़ें जमा लीं। यह अवधारणा अंतिम प्राप्त मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 50 प्रतिशत पर आ गई।

बदली हुई गतिशीलता रू जब जनवरी 2004 में नई पैंशन योजना (एन.पी.एस.) ने पुरानी पैंशन योजना (ओ.पी.एस.) की जगह ली, तो इसने पैंशन के 2 स्तंभों को हिला दिया। इसने गैर–अंशदायी परिभाषित लाभ योजना को एक परिभाषित अंशदायी योजना में बदल दिया और इसने न्यूनतम पैंशन की अवधारणा को चुपचाप त्याग दिया। विरोध शुरू हो गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री ए.बी. वाजपेयी ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उनके उत्तराधिकारी डा. मनमोहन सिंह ने भी 10 साल तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसी तरह, नरेंद्र मोदी ने 10 साल तक जमीन नहीं छोड़ी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में फैसले ने पूरी तरह से गतिशीलता बदल दी है।

3 अगस्त, 2022 को पी.आई.बी. की एक विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र सरकार के पैंशनभोगियों की कुल संख्या 69,76,240 थी। 2024–25 में पैंशन पर बजटीय व्यय 2,43,296 करोड़ रुपए है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मार्च 2023 तक, एन.पी.एस. में 23. 8 लाख केंद्र सरकार के ग्राहक और 60.7 लाख राज्य सरकार के ग्राहक थे। 2024 में, संख्या थोड़ी अधिक या थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन हम अनुमानित आंकड़े जानते हैं।

यह भारत की आबादी का एक अंश है। एक अनियोजित पैंशन योजना जो कि ओ.पी.एस. थी, अर्थव्यवस्था को वित्तीय रूप से बर्बाद कर देगी। सरकारें मौजूदा राजस्व से 'भुगतान नहीं कर सकतीं'। किसी को इस योजना को निधि देनी होगी।यह या तो सरकार या कर्मचारी या दोनों हो सकते हैं। एन.पी.एस. एक ऐसी योजना थी जिसे सरकार (14 प्रतिशत) और कर्मचारी (10 प्रतिशत) दोनों द्वारा वित्तपोषित किया गया था। 'वित्तपोषण' एक अच्छा अर्थशास्त्र है।सरकार द्वारा घोषित एकीकृत पैंशन योजना (यू.पी.एस.) एक ऐसी योजना है जिसे सरकार (18.5 प्रतिशत) और कर्मचारी (10 प्रतिशत) द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। यू.पी.एस. ने कम से कम 25 साल की सेवा पूरी करने वालों के लिए सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर न्यूनतम पैंशन की भी गारंटी दी है। न्यूनतम 10,000 रुपए प्रति माह की पैंशन जो मुद्रास्फीति के लिए समायोजित की जाएगी, का आश्वासन दिया गया है। विस्तृत जानकारी का इंतजार है। लेखन के समय, अधिकांश राज्य सरकारों ने यू.पी.एस. पर कोई टिप्पणी नहीं की है। कांग्रेस सहित प्रमुख राजनीतिक दल यू. पी.एस. पर विचार–विमर्श कर रहे हैं। हालांकि, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के कई संघों और कई केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने पैंशन फंड में कर्मचारी के योगदान का विरोध किया है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि परिदृश्य क्या रूप लेगा।

भारत–पाकिस्तान के बीच बदलता परिदृश्य

–ज्योति मल्होत्रा–

क्या प्रधानमंत्री मोदी के लिए समय आ गया है कि वे अपनी झिझक छोड़कर कहें रू 'हां, मैं पाकिस्तान जाऊंगा'? जिन लोगों को ज्यादा खबरों का पता न होगा, उनके लिए बता दें कि पिछले 48 घंटों में बहुत कुछ घटा है। पंजाब में सिकुड़ते जा रहे शिरोमणि अकाली दल का फायदा आम आदमी पार्टी को अपना आधार मजबूत करने में हो रहा है, खासतौर पर जब अकाली विधायक अपने पूर्व सहयोगी दल भाजपा में शामिल होने से कतरा रहे हैंदृ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, जिनका परिवार अमृतसर से है, उन्होंने मोदी को पत्र लिखकर अक्तूबर में इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि उसे ऐसा निमंत्रण मिला है, लेकिन इसको लेकर इरादा क्या है, यह नहीं बताया। यह भी सच है कि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने इस उम्मीद में यह खबर जारी की होगी कि इससे भारत के अंदर कुछ सार्वजनिक दबाव बनेगा अपने दिल में दर्द पाले उन उदारवादियों का, जिनकी आजीविका 'संपर्क करने और छूने' की मानवीय भावना को उभार देने पर टिकी है, फिर अटारी–वाघा बॉर्डर पर 'मोमबत्ती जलाने वाली टोली' सदा इस रूप में भरोसेमंद रही है कि वह बातचीत के लिए दबाव बनाए।

हर चीज को नकारने वाले लोगों की उबाऊ भविष्यवाणी भी उतनी ही सटीक है। उनके लिए : मोदी इस्लामाबाद नहीं जाएंगे, न ही जा सकते हैं और जाना भी नहीं चाहिए,क्योंकि पाकिस्तान दुश्मन है, सो भरोसे लायक नहीं है। अगर आप भी ऐसे लोगों में एक हैं, तो फौरन अपना बोरिया–बिस्तर समेटकर अगली बस पकड़कर गुरदासपुर पहुंचें, ताकि आपको अपनी दुश्मनी को और पुख्ता करने का मौका मिले। जहां पर भारत–पाकिस्तान सीमा के कुछ किलोमीटर अंदर, जीरो लाइन से गज भर की दूरी पर ड्रोन उतरते हैं, यह तब आप जानेंगे कि कैसे हेक्साकॉप्टरों (ड्रोन) द्वारा शुद्धतम ग्रेड की सफेद हेरोइन –स्थानीय भाषा में चिट्टा– पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के आदेश पर पैकेटों के रूप में पहुंचाई जाती है। निसंदेह 'छद्म युद्ध' चलाने के अनेकानेक तरीके हैं।

दूसरा तरीका है, प्रशिक्षित आतंकवादियों की घुसपैठ जम्मू क्षेत्र में करवाना। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि हाल के महीनों में भारतीय सैनिकों और अर्धसैनिक बलों पर घात लगाकर जो हमले हुए हैं– जिनमें इस बार की गर्मियों में अब तक 18 सैनिक शहीद हुए हैं – कश्मीर घाटी से ध्यान हटाने के लिए पाकिस्तानी सरकार की एक सोची–समझी रणनीति है। तो, प्रधानमंत्री मोदी को क्या करना चाहिए? उन्हें पाकिस्तान जाना चाहिए या नहीं? सनद रहे पूरे 10 साल पहले,मोदी ने दिल्ली में अपने पहले शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था और शरीफ आए भी – अपने शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान की सलाह के विरुद्ध। जब शरीफ दिल्ली से वापस घर लौटे, तो कहा जाने लगा कि वे और उनका पद मुश्किल में है, क्योंकि उन्होंने उस व्यक्ति से हाथ मिलाना चुना जो 2002 के दंगों के वक्त गुजरात का मुख्यमंत्री था, जिसमें एक हजार से अधिक मुसलमान मारे गए थे। लेकिन शरीफ ने इसकी व्याख्या इस तरह से की रू 'मोदी दक्षिण एशिया के सबसे शक्तिशाली देश के प्रधानमंत्री थे, पाकिस्तान भारत का पड़ोसी है और दोनों ने विगत में उतार–चढ़ाव देखे हैं–ऐसे में शांति का हाथ बढ़ाना उनका कर्तव्य था'।

परंतु शांति की यह बयार ज्यादा देर तक नहीं चली। 2 जनवरी, 2016 को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पठानकोट के वायुसेना अड्डे पर हमला किया। जल्द ही,मोदी ने घोषणा की कि सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त होने तक वे पाकिस्तान के साथ तमाम बातचीत बंद कर रहे हैं। वार्ता प्रक्रिया ठंडे बस्ते में डाल दी गई। लेकिन सच यह है कि आठ साल बाद भी सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त नहीं हुआ है। इस साल ग्रीष्म ऋतु शुरू होने के साथ जम्मू में घटी आतंकी घटनाएं संकेत देती हैं कि कोई तो है जो पर्दे के पीछे से पूरे तमाशे को चला रहा है। 'उसकी टूटी (नल का हैंडल) मेरे हाथ में है'दृये शब्द थे एक वरिष्ठ पाकिस्तानी जनरल के, जब 1999 की गर्मियों में, कारगिल युद्ध के चरम पर, उसने अपने सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ को सीमा पारीय आतंकवाद पर पाकिस्तान के नियंत्रण के बारे में कुछ इस तरह समझाया था। इस बातचीत को भारतीय खुफिया विभाग ने रिकॉर्ड किया, लिपिबद्ध किया और तत्कालीन पाकिस्तानी विदेश मंत्री सरताज अजीज को दिखाया, जब वे बीजिंग जाते समय दिल्ली में रुके थे। पहले तो अजीज वह बचाने का प्रयास करते रहे जिसका बचाव हो नहीं सकता था यानि कारगिल में पाकिस्तानी आक्रमण, लेकिन जब टेप सुनाकर पूछा गया तो इसके बाद उनके पास कहने के लिए और कुछ नहीं था।

2016 से मोदी भी ठीक इसी तरह दुविधा का सामना कर रहे हैं। वह अच्छी तरह समझते हैं कि पाकिस्तानी की प्रकृति बदली नहीं है और इससे अधिक यह कि निकट भविष्य में बदलाव होने की संभावना नहीं है। यदि कोई गुंजाइश थी भी, वह पड़ोसी बांग्लादेश में जिस तरह सुनियोजित ढंग से गड़बड़ को भड़काकर शेख हसीना को सत्ताच्युत किया गया, उससे जाती रही दृ इसमें जरा संदेह नहीं कि स्थिति को इस चरम तक पहुंचने देने के लिए वह खुद भी पूरी तरह से जिम्मेदार रहीं दृ इससे मोदी को भारत के खतरनाक पड़ोस की एक स्पष्ट तस्वीर मिल जाती है। तो, क्या उन्हें 2016 में की गई 'सर्जिकल स्ट्राइक' और उसके बाद 2019 में बालाकोट में मिसाइल हमले जैसी निवारक कार्रवाइयों वाला तरीका ही जारी रखना चाहिए दृ भले ही यह साफ हो कि पाकिस्तान हर दिन भारत को नुकसान पहुंचाने के नए–नए तरीके खोजेगा? या फिर उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी का अनुसरण करते हुए उस देश के साथ शांति स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए, जिसके साथ बाद में उन्हें युद्ध लड़ना पड़ा था?

यह स्पष्ट है कि भारत–पाकिस्तान की फिजा में हवा फिर से बदल रही है। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर मजबूत बने हुए हैं, लेकिन यूक्रेन के मुद्दे पर रूस और अमेरिका, दोनों को,खुश रखने के लिए उन्हें अतिरिक्त प्रयास करने पड़ेंगे। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या बड़ी शक्तियां चाहती हैं कि मोदी फिर से पाकिस्तान के साथ संपर्क स्थापित करें, जिसकी व्याख्या इस्लामाबाद से मिले आमंत्रण का वक्त करता है। भले ही यह निमंत्रण चीन समर्थक संगठन के वास्ते हो, वास्तव में एससीओ (शंघाई को–ऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन) यही है,शायद अमेरिका अभी मामले की थाह लेना चाहता हो। वे निश्चित रूप से नहीं चाहेंगे कि पाकिस्तान पूरी तरह से चीन के प्रभाव तले खिंच जाए।

और फिर कश्मीर का मामला भी है। एक से अधिक बार हुई भारत–पाकिस्तान–अमेरिका ट्रैक टू बातचीत से यह खुलासा होता है कि यदि भारत जम्मू और कश्मीर में चुनाव करवाए तो शायद पाकिस्तान अनुच्छेद 370 को निरस्त करने पर अपनी अति कठोर आलोचना को नर्म करने और वार्ता में फिर से लौटने को तैयार हो भी जाए। अंदाजा लगाइए कि सितंबर में वहां क्या हो सकता है। तथ्य यह है कि इस्लामाबाद जाने या न जाने का फैसला मोदी को अपने विवेक के आधार पर लेना होगा और यह भी कि इसका घरेलू असर क्या रहेगा। एक तो, यह होने पर अटारी–वाघा में मोमबत्ती जलाने वाले प्रभावशाली लोगों में उनकी साख चमकनी तय है। दूसरे, मोदी जानते हैं कि अपनी स्थिति को लेकर एक आश्वस्त नेता और देश किसी से बात करने से नहीं डरते, खासकर अपने दुश्मनों से। तीसरी बात, महत्वपूर्ण राज्यों के चुनाव नजदीक हैं। अगर वे हरियाणा और महाराष्ट्र में विपक्ष के हाथों हार जाते हैं, तो इससे भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को राजनीतिक रूप से कोने में और धकेल दिए जाने की भावना बलवती हो जाएगी।

इस तथ्य के अलावा कि अपने दुश्मन के साथ आपकी ईमानदार और आमने–सामने की बातचीत से ही वास्तविक शांति बन पाएगी, कल्पना कीजिए कि यदि मोदी पाकिस्तान चले जाएं, तो उनकी लोकप्रियता में कितनी वृद्धि होगी।

–लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

राजनीतिक नियुक्तियों से सियासी जमीन तैयार करने की कोशिश

–अजय कुमार–

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद उपचुनाव से पहले संगठन को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। पिछले ढाई वर्षों से लंबित पड़ी राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला अब प्रदेश में आरंभ हो गया है। इन नियुक्तियों के माध्यम से योगी सरकार बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को विभिन्न निगम, आयोग, और बोर्ड में चेयरमैन और सदस्य के रूप में नियुक्त करके उन्हें संतुष्ट करने की कोशिश में जुटी हुई है। यह रणनीति सरकार द्वारा सामाजिक समीकरणों को फिर से मजबूत करने की एक महत्वपूर्ण योजना मानी जा रही है।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का दूसरा कार्यकाल 25 मार्च 2022 को आरंभ हुआ था। इसके बाद से ही बीजेपी कार्यकर्ता राजनैतिक नियुक्तियों की प्रतीक्षा कर रहे थे। हालांकि, सरकार और संगठन के बीच तनातनी के कारण आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, और सदस्यों के नामों पर सहमति नहीं बन पा रही थी। हाल ही में लखनऊ में संघ, सरकार, और संगठन के बीच हुई एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद राजनैतिक नियुक्तियों का यह सिलसिला शुरू किया गया है।

योगी सरकार ने सबसे पहले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन किया। इसके बाद पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, और सदस्यों की नियुक्ति की गई। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष की भी नियुक्ति की गई है। यह नियुक्तियां ढाई साल के अंतराल के बाद की गई हैं, जिससे प्रदेश के राजनैतिक समीकरणों को साधने की कवायद की जा रही है।

उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में सीतापुर के पूर्व सांसद राजेश वर्मा को नियुक्त किया गया है। साथ ही मिर्जापुर के सोहन लाल श्रीमाली और रामपुर के सूर्य प्रकाश पाल को उपाध्यक्ष नामित किया गया है। इसके अलावा आयोग में 24 अन्य सदस्यों को भी शामिल किया गया है, जिनमें सत्येंद्र कुमार बारी, मेलाराम पवार, फूल बदन कुशवाहा, विनोद यादव, शिव मंगल बयार, अशोक सिंह, ऋचा राजपूत, चिरंजीव चौरसिया, रवींद्र मणि, आरडी सिंह, कुलदीप विश्वकर्मा, लक्ष्मण सिंह, विनोद सिंह, रामशंकर साहू, डॉ. मुरहू राजभर, घनश्याम चौहान, जनार्दन गुप्ता, बाबा बालक, रमेश कश्यप, प्रमोद सैनी, करुणा शंकर पटेल, महेंद्र सिंह राणा और राम कृष्ण सिंह पटेल शामिल हैं।

योगी सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग का भी गठन किया है। बाराबंकी के पूर्व विधायक बैजनाथ रावत को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि गोरखपुर के पूर्व विधायक बेचन राम और सोनभद्र के जीत सिंह खरवार को उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा आयोग में 17 अन्य सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है, जिनमें हरेंद्र जाटव, महिपाल बाल्मीकि, संजय सिंह, दिनेश भारत, शिव नारायण सोनकर, नीरज गौतम, रमेश कुमार तूफानी, नरेंद्र सिंह खजूरी, तीजाराम, विनय राम, अनिता राम, रमेश चंद्र, मिठाई लाल, उमेश कठेरिया, अजय कोरी, जितेंद्र कुमार, और अनिता कमल शामिल हैं।

गोरखपुर यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग में लंबित पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। उपचुनाव से पहले योगी सरकार ने इन राजनैतिक नियुक्तियों के माध्यम से सियासी समीकरणों को साधने की कोशिश शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग की कमान कुर्मी समुदाय के नेता को सौंपी है, जबकि अन्य ओबीसी जातियों को उपाध्यक्ष के तौर पर नियुक्त किया गया है, जिसमें पाल समाज को भी अहम स्थान दिया गया है। इसी तरह से आयोग में सदस्यों के रूप में अतिपिछड़ी जातियों को विशेष तवज्जो दी गई है। अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग की कमान पासी समुदाय के नेता को सौंपी गई है, जबकि उपाध्यक्ष के पद पर खरवार समाज को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा दलित समाज की अन्य जातियों के नेताओं को भी स्थान दिया गया है। शिक्षा सेवा चयन आयोग की कमान ब्राह्मण समाज से आने वाली कीर्ति पांडेय को दी गई है, जो सामाजिक समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव बीजेपी के लिए काफी अहम हैं, खासतौर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठा से जुड़े हुए हैं। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उत्तर प्रदेश की 80 में से सिर्फ 33 सीटें ही मिली हैं, जबकि 2019 में जीती हुई 29 सीटों का नुकसान हुआ है। प्रदेश में मिली इस हार ने बीजेपी को हिला कर रख दिया है, जिसके चलते उपचुनाव को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने खुद मोर्चा संभालते हुए उपचुनाव वाली सीटों पर प्रचार के साथ–साथ संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू की है। इसके लिए उन्होंने नाराज कार्यकर्ताओं और नेताओं को मनाने का काम भी शुरू कर दिया है, जिसके तहत राजनैतिक नियुक्तियों का यह सिलसिला शुरू हुआ है। पार्टी के बड़े नेताओं को विधानसभा और लोकसभा के चुनाव लड़ने का अवसर मिलता है, जबकि कार्यकर्ताओं को सत्ता में आने पर राजनैतिक नियुक्तियां मिलने की आस रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने अब नियुक्तियों का सिलसिला शुरू करके कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करने का प्रयास किया है।

हालांकि, अभी भी कई महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां नहीं की गई हैं। राज्य खाद्य आयोग में अध्यक्ष के अलावा पांच सदस्यों का कार्यकाल 2022 की शुरुआत में खत्म हो चुका है। राज्य महिला आयोग में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष, और 25 सदस्यों के पद भी खाली पड़े हैं। इसके अलावा प्रदेश के 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका, और 546 नगर पंचायतों में मनोनीत पार्षदों और सदस्यों की नियुक्तियां होनी हैं, जो 2022 से खाली हैं। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पूर्व सैनिक कल्याण निगम, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, उत्तर प्रदेश किन्नर विकास निगम, सिंधी अकादमी, पंजाबी अकादमी, और उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम में भी नियुक्तियां अभी लंबित हैं।

योगी सरकार में सिर्फ बीजेपी के नेता ही नहीं, बल्कि सहयोगी दलों के नेता भी इन नियुक्तियों के लिए दावेदारी कर रहे हैं। अपना दल (एस), आरएलडी, सुभासपा, और निषाद पार्टी के नेता भी निगम, आयोग, और बोर्ड में अध्यक्ष और सदस्य बनने की जुगत में हैं। इसके अलावा लोकसभा चुनाव से पहले सपा, बसपा, और कांग्रेस से आए नेता भी इन नियुक्तियों में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन नियुक्तियों के माध्यम से सत्ताधारी दल सूबे के सामाजिक समीकरणों को साधने का प्रयास कर रहा है।

उत्तर प्रदेश की राजनीतिक फिजां में इन नियुक्तियों का खासा असर दिखाई दे रहा है। उपचुनाव से पहले की जा रही ये नियुक्तियां स्पष्ट तौर पर चुनावी गणित को साधने के लिए हैं, जहां सरकार ने समाज के विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया है।

कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी

–सुरेश सेठ–

आज भारत तेजी से डिजिटल युग की ओर बढ़ रहा है। कृत्रिम मेधा और रोबोटिक्स के युग का आगमन हो रहा है। हमारे अंतरिक्ष खोज अभियानों में इसरो ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उनमें महिला वैज्ञानिकों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। चंद्रयान–3 के अभियान में इसरो के प्रमुख सोमनाथ ने अपनी महिला प्रमुखों की योग्यता और दक्षता की प्रशंसा की है। लेकिन दूसरी ओर, पुरुष वर्चस्ववादी इस देश में महिलाओं के प्रति आज भी वही पुराना दकियानूसी उपभोक्तावादी दृष्टिकोण कायम है। आज भी नारी स्वतंत्रता के युग में महिला अपहरण और दुष्कर्म की घटनाएं होती हैं। वहीं आधी आबादी, अपने समकक्ष पुरुषों के बराबर योग्य होने के बावजूद अपनी उचित जगह नहीं पा रही है।

'मन की बात' में इस बार मोदी ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि महिलाओं पर अत्याचार अक्षम्य पाप हैय दोषियों और उनका समर्थन करने वालों को बख्शा नहीं जा सकता। चाहे इसका इशारा पश्चिम बंगाल की ओर हो या देश के अन्य हिस्सों में हो रही अमानवीय घटनाओं और निर्भया कांड जैसे बलात्कारों की ओर हो लेकिन इसके खिलाफ देश के प्रधानमंत्री से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक किसी भी तरह की हिचकिचाहट नहीं दिखाई गई है।

हाल ही में वित्तीय वर्ष 2047 तक महिला श्रम बल भागीदारी दर को वर्तमान 37 प्रतिशत से लगभग दोगुना कर 70 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गैर–लाभकारी संस्था 'द नज इंस्टीट्यूट' ने एक श्रम बल भागीदारी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें पिछले वर्षों में नारी स्वतंत्रता की घोषणाओं के बावजूद महिलाओं की श्रम बल भागीदारी की गणना की गई है। रिपोर्ट बताती है, भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए देश के कार्यबल में 40 करोड़ अतिरिक्त महिलाओं की आवश्यकता है। यह आवश्यकता आसानी से पूरी की जा सकती है क्योंकि एक हालिया सर्वे के अनुसार देश में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर हो गई है। फिर भी, उनकी योग्यता और शिक्षा बढ़ने के बावजूद उन्हें उचित काम नहीं मिलता। वर्तमान में केवल 11 करोड़ महिलाएं देश के श्रम बल में शामिल हैं, और घर के काम करने वाली महिलाओं से लेकर खेतों तक निरुशुल्क काम करने वाली महिलाओं के लिए न तो उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाती है, न ही उन्हें उचित वेतन देने के बारे में सोचा जाता है।

यदि महिलाओं को भी समान दृष्टिकोण से देखा जाए तो निश्चय ही उन्हें प्राप्त नए बल, उत्साह और परिश्रम से देश की उत्पादकता बढ़ेगी, लागत घटेगी, और निवेशकों के लिए लाभ वृद्धि की संभावना बनेगी, जो सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाते हुए देश को नई तरक्की की ओर ले जाएगी। फिर भी, रिपोर्ट बताती है कि हकीकत में ऐसा नहीं है। श्रम बल में उचित भागीदारी की क्षमता होने के बावजूद भारत में महिलाओं को काम करने का समान सम्मान और प्रतिदान नहीं मिलता। देश को 2047 तक समृद्ध–संपन्न अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य पूरा करना हो तो इसके लिए महिलाओं को उचित सम्मान, वेतन और नौकरी की सुरक्षा देना अनिवार्य होगा। वर्तमान में पुरुषों व महिलाओं के बीच वेतन की असमानता है। शीर्ष पद प्रायः पुरुषों के पास हैं। राजनीति से लेकर आधुनिक व्यवसायों तक में पुरुषों का वर्चस्व है, जबकि महिलाओं की योग्यता और परिश्रम किसी से कम नहीं हैं।

पिता ने बेटी के शरीर के कर डाले 6 टुकड़े, प्रेम-प्रसंग से था नाराज

संवाददाता-बहराइच। बताया जा रहा है कि गांव के रहने वाले नईम की बेटी का प्रेम प्रसंग किसी युवक के साथ चल रहा था। इस बात से पिता काफी नाराज था। प्रेमी गांव में अपनी प्रेमिका से मिलने आया तो यह बात पिता को पता चल गई। इससे पहले वह लड़के को पकड़ता तो लड़का वहां से भाग गया। फिर क्रोधित पिता ने अपने बेटी को ही काट डाला। ग्राम पंचायत लक्ष्मनपुर मटेही में पिता ने अपनी बेटी की बांके से काटकर निर्मम हत्या कर दी। सिर को धड़ से अलग करने के बाद शरीर के छह टुकड़े किए। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद पिता के चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी। चर्चा है कि बेटी के प्रेम-प्रसंग से नाराज पिता ने वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मोतीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत लक्ष्मनपुर मटेही गांव निवासी नईम खान की 17 वर्षीय पुत्री खुशबू का किसी से प्रेम-प्रसंग चल रहा था, जिसकी जानकारी होने के बाद वह नाराज था। काफी मना करने के बाद भी बेटी अपने प्रेमी को भुला नहीं पा रही थी। गांव में चर्चा है कि सोमवार को प्रेमी गांव पहुंच गया। पिता ने प्रेमी को देख लिया, लेकिन जब तक उसे पकड़ पाता जब तक युवक गांव से फरार हो गया। यह देख पिता के गुस्सा सातवें आसमान पहुंच गया और उसने अपनी बेटी के सिर को बांके से काटकर धड़ से अलग कर दिया। उसने अपने बेटी के शरीर के छह टुकड़े कर दिया। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी पुलिस हीरालाल कनौजिया एवं थानाध्यक्ष राकेश पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने क्षत-विक्षत शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नईम खान अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनकी तीन बेटियां हैं, जिस बेटी की उसने निर्मम हत्या की है। वह उनकी बड़ी बेटी है। वारदात के बाद उसकी पत्नी ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। डा. पवित्र मोहन त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने कहा कि मोतीपुर थाना क्षेत्र में पिता के बेटी की काटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोपित पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

झाड़फूंक स्थान से पुलिस ने हटवाया लाउडस्पीकर, ग्रामीणों ने घेरा थाना

संवाददाता-महराजगंज। शीशगढ़ गांव के खैरटवा टोले पर स्थित एक नीम के वृक्ष के नीचे ग्रामीण पूजा पाठ व कुछ लोग झाड़फूंक करते हैं। वृक्ष के पास स्थित एक मकान पर लाउडस्पीकर लगा हुआ था, जो सुबह-शाम बजता था। पुलिस ने दो दिन पहले लाउडस्पीकर हटवा दिया था, जिसके विरोध में दर्जनों की संख्या में महिला व पुरुष ने थाना को घेर लिया। पुलिस की ओर से लाउडस्पीकर हटावाने पर ग्राम सभा शीशगढ़ के खैरटवा टोले के ग्रामीणों ने सोमवार की दोपहर बरगदवा थाना परिसर को घेर लिया। दो घंटे तक चली नोकझोंक के बाद पुलिस ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामले को शांत करवाया। इसके बाद सभी ने राहत की सांस ली। शीशगढ़ गांव के खैरटवा टोले पर स्थित एक नीम के वृक्ष के नीचे ग्रामीण पूजा पाठ व कुछ लोग झाड़फूंक करते हैं। वृक्ष के पास स्थित एक मकान पर लाउडस्पीकर लगा हुआ था, जो सुबह-शाम बजता था। पुलिस ने दो दिन पहले लाउडस्पीकर हटवा दिया था, जिसके विरोध में दर्जनों की संख्या में महिला व पुरुष ने थाना को घेर लिया। दो घंटे कड़ी मशक्कत के बाद काफी समझाने पर ग्रामीण मान गए। पुलिस का कहना है कि गांव के लोगों की शिकायत पर ही लाउडस्पीकर हटवा गया था। थानाध्यक्ष बरगदवा अमित कुमार सिंह का कहना है कि शिकायत मिलने पर लाउडस्पीकर हटवाया गया है। यदि ग्रामीण प्रशासन से अनुमति पत्र लेकर प्रस्तुत करेंगे तो लाउडस्पीकर बजाने की स्वीकृति दी जाएगी।

संदिग्ध हालात में युवक की दिल्ली में मौत, ठेकेदार फरार

संवाददाता-कुशीनगर। पटहेरवा थाना क्षेत्र के गांव गगलवा निवासी युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में दिल्ली में मौत हो गई। युवक को साथ ले गया ठेकेदार शव छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद परिजन शव घर लेकर आए और अंतिम संस्कार कर दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना क्षेत्र के गगलवा गांव निवासी शंभू प्रसाद (40) को रक्षाबंधन के बाद गोपालगंज के कटेया थाने के जमुनहा निवासी ठेकेदार काम करने के लिए दिल्ली ले गया था। गांव के कुछ और लोग भी इसके साथ गए हैं। बताया जा रहा है कि बुधवार की रात ठेकेदार ने कुछ लोगों के साथ रात में पार्टी की थी। उसमें युवक भी था। भोजन के बाद अचानक शंभू की तबीयत खराब हुई तो ठेकेदार उसे छोड़कर फरार हो गया। बाद में उसके गांव के अन्य लोगों को इसकी सूचना दी गई। उन लोगों ने युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे परिजन युवक का शव लेकर घर पहुंचे। ग्राम प्रधान अजीत शर्मा ने आर्थिक सहयोग कर रविवार की शाम अंतिम संस्कार करा दिया।

भगवान कृष्ण के बाल लीला की कथा सुन मंत्र मुक्त हुए लोग

-भारतीय बस्ती संवाददाता- अयोध्या। अयोध्या के सत्संग भवन महात्मा भवन सेवा ट्रस्ट अयोध्या में श्री श्री 108 रामकिंकर रामायण जी महाराज के सानिध्य में उनके शिष्य सियाराम दास अरुण सानिध्य में मध्य प्रदेश से पधारे सतेन्द्र कृष्ण महाराज सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर रहे हैं कथा के मध्य में अयोध्या तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश महाराज और उनके साथ जानकी घाट बड़ा स्थान के मुख्य पुजारी गगनदेव शरण ने व्यास पीठ पर विरजमान सतेन्द्र कृष्ण महाराज रामनामा और माला भेंट कर स्वागत किया और राजेश महाराज ने कहा अयोध्या पुरी सप्तपूरियों में प्रथम पुरी है और जब मनुष्य का भाग्य उदय होता है तब वह इस पावन पवित्र धरती पर जहां प्रभु श्री राम ने पूरे दुनिया को मर्यादा में जीवन जीने की शिक्षा दी कथा श्रवण का अवसर प्राप्त होता है। श्रीमद् भागवत कथा श्री राम कथा मनुष्य को जीवन जीने की और मर्यादा पालन की शिक्षा देता है और अयोध्या पुरी में कथा श्रवण का अवसर प्राप्त हो तो इसे कभी चूकना नहीं चाहिए। पुजारी गगन देव शरण महाराज ने कहा कि कथा सभी संतापों को नष्ट करती है और जहां भी कथा श्रवण का अवसर प्राप्त कथा को निश्चित रूप से श्रवण करना चाहिए। कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए सतेन्द्र कृष्ण भगवान के जन्म की विस्तार से कथा सुनाई और आगे कहा कि भगवान का मथुरा कारागृह में जन्म हुआ वासुदेव जी नंदगांव पहुंचे दूसरे दिन नंदोत्सव हुआ कई दिन तक उत्सव चला रहा जब प्रभु थोड़े बड़े हुए तो उनका नामकरण संस्कार हुआ। कथा के विश्राम पर आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया।

बैंक शाखा प्रबंधक पर ऋण में हेराफेरी का आरोप लगा प्रदर्शन

संवाददाता-महराजगंज। कोठीभार थानाक्षेत्र के ग्राम बंदी व बसडीला के ग्रामीणों ने जिला सहकारी बैंक के शाखा प्रबंधक पर ऋण के भुगतान में हेराफेरी का आरोप लगाकर बैंक पर प्रदर्शन किया। बैंक पर पहुंचे जांचकर्ता भी खाताधारकों से हस्ताक्षर और अंगूठा निशान लेने का प्रयास किया, जिसका खाताधारक ने विरोध किया।

जिला सहकारी बैंक के खाताधारकों का आरोप है कि उनके नाम से ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन आदि ऋण की स्वीकृति के उपरांत उनके ऋण खाते में अंकित धनराशि के अनुसार भुगतान नहीं किया गया है। जब बैंक पर पहुंचे तो ऋण स्वीकृत करने वाले शाखा प्रबंधक का स्थानांतरण घुघुली ब्रांच पर कर दिया गया था। नए शाखा प्रबंधक ने अपना काम संभाल लिया था, तब खाताधारकों को वास्तविक ऋण धनराशि की जानकारी देते हुए उसके भुगतान के लिए कहा तो ऋण लेने वाले खाताधारकों के होश उड़ गए।

इसके बाद खाताधारकों ने बीते शुक्रवार को पूर्व शाखा प्रबंधक को पकड़कर तहरीर के साथ सिसवा पुलिस चौकी को सुपुर्द कर दिया। पुलिस के हस्तक्षेप पर खाताधारकों को पासबुक प्रिंट करके दे दिया गया। आरोप है कि एक दिन में ही खाताधारकों के खाते से कई बार धन निकासी की गई है। सोमवार को विपिन श्रीपत, वकील, सुरेंद्र, रमावती, श्रीराम, राम नगीना, राम भजन, बलराम, फुलवासी, शिव शंकर, विपिन, जीव धन, भिखारी आदि खाताधारकों ने बताया कि जांच करने पहुंची बैंक के दो सदस्यीय टीम पूर्व शाखा प्रबंधक को बचाने के प्रयास में कुछ कागजोंपर हस्ताक्षर या अंगूठा लगाने को कहने लगे, जिससे नाराज हो कर खाता धारकों ने बैंक के सामने प्रदर्शन करने लगे।

जिला सहकारी बैंक सिसवा शाखा प्रबंधक महिपाल सिंह ने बताया कि उक्त मामले में उच्चाधिकारियों ने जांच टीम गठित कर दी है। जांच के बाद जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

सोमवारी अमावस्या पर पूजन अर्चन को लेकर उमड़ी भीड़

संवाददाता-महराजगंज। सोमवार की भोर से ही सोमवारी अमावस्या की धूम रही। सोमवारी अमावस्या के खास मौके पर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने भोर में जगकर वट वृक्ष के किनारे पहुंचकर विधि-विधान से पूजा अर्चना की। सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान महिलाओं का उत्साह देखने लायक था। पूजा अर्चना के बाद महिलाओं ने घर पहुंच कर परिजनों में प्रसाद का वितरण भी किया।

एक और हमलाः आदमखोर भेड़िये ने फिर बनाया निशाना, 2 साल की मासूम को निगला, बुजुर्ग महिला को किया घायल

संवाददाता-बहराइच। हरदी थाना क्षेत्र में खूनी भेड़िये ने रविवार की रात फिर खूनी खेल खेला। ग्राम पंचायत गरेठी गुरदत्त सिंह के मजरा नववन गरेथी में मां के साथ कमरे में सो रही अंजली (2) पर भोर पहर लगभग 4 बजे हमला किया। भेड़िया मां मीनू के साथ लेटी अंजली को दबोच कर गन्ने की ओर भागा। शोर सुनकर मां मीनू की आंख खुली और उसने शोर मचाते हुए पीछा किया। लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर भेड़िया भाग गया। सूचना पर पहुंची वन टीम ने ड्रोन कैमरे से तलाश शुरू की तो गांव से एक किमी की दूरी पर बालिका का शव पड़ा मिला। शव दिखते ही परिजनों में कोहराम मच गया और मौके पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। भेड़िया ने हरदी क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोटिया के मजरा बाराबिगहा निवासी कमला(60) पर भी हमला किया। रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे घर के अंदर आंगन में लेटी कमला पर हमले से वो चीख पड़ी। उनकी चीख सुन पहुंचे परिजनों ने उन्हें आनन-फानन मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महसी पहुंचाया। जहां पर डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हरदी थाना क्षेत्र में भेड़ियों के ताबड़तोड़ हमलों का सिलसिला लगातार जारी है। शनिवार की रात भेड़िये ने मां के साथ लेटे पारस (7) पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद उसे सीएचसी में भर्ती करवाया गया। वहीं, भेड़िये ने रविवार तड़के कुन्नू लाल (55) पर भी हमला किया। परिजनों के आ जाने से कुन्नू की

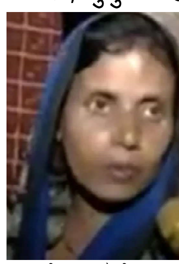

जान बची। कुन्नू को भी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हमले की सूचना पर डीएफओ, एसडीएम, सीओ समेत आला अधिकारी गांव पहुंचे और पड़ताल की। हमले के बाद एक बार फिर दहशत बढ़ गई है। भेड़िये अब तक दस लोगों की जान ले चुके हैं और 31 लोगों को घायल कर चुके हैं। वहीं वन विभाग चार भेड़ियों को पकड़ चुका है। हरदी की ग्राम पंचायत मैकूपुरवा के मजरा दरैहिया निवासी कुन्नू लाल (55) रविवार तड़के लगभग चार बजे उठे और आंगन में बैठे थे। इसी दौरान उनपर भेड़िये ने पीछे से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से कुन्नू चीख पड़े और भेड़िये को दोनों हाथों से दबोच कर बचाव का प्रयास किया। शोर सुन उनके भाई व अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इसके बाद भेड़िया उन्हें छोड़कर भाग गया। हमले में गले व सिर पर गंभीर चोट आने पर परिजनों ने उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी महसी पहुंचाया और घटना की सूचना वन विभाग व पुलिस को दी। डीएफओ अजीत प्रताप सिंह, एसडीएम अखिलेश सिंह, नायब तहसीलदार राजेश श्रीवास्तव, सीओ रूपेंद्र गौड़ आदि मौके पर पहुंचे और पड़ताल की। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक करते हुए तलाश तेज करवाई। हरदी की ग्राम पंचायत रेहुआ मंसूर के मजरा टांड़ निवासी पारस (7) शुक्रवार को पूरे दिलदार सिंह के मजरा नकाही निवासी नाना के घर आया था। शनिवार की रात वह मां गुड़िया के साथ सो रहा था, साथ में परिवार के अन्य 13 लोग भी सो रहे थे। तभी पारस पर भेड़िये ने हमला कर दिया। पारस की चीख सुन पास लेटे परिजन व मां गुड़िया जाग गई। इसके बाद भेड़िया उसे छोड़कर भाग गया। गंभीर रूप से घायल पारस को सीएचसी महसी में भर्ती करवाया गया है। मंडलायुक्त शशि भूषण लाल भी शनिवार की रात भेड़िया प्रभावित गांव पहुंचे। उन्होंने भेड़िया प्रभावित गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों से भेड़िया पकड़ने के लिए जारी कवायद के बारे में जाना और खुद भी ड्रोन से निगरानी की। इस दौरान विधायक महसी सुरेश्वर सिंह, मुख्य वन संरक्षक रेनू सिंह भी मौजूद रहीं।

पहले बहिष्कार, फिर प्रशिक्षण में शामिल हुए शिक्षक

संवाददाता-महराजगंज। स्थानीय बीआरसी पर नवीन शिक्षा पाठ्यक्रम को लेकर सोमवार से होने वाले चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर बहिष्कार किया गया। मौके पर पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी के समझाने पर शिक्षक प्रशिक्षण में शामिल हुए। सोमवार से शुरू हुए चार दिवसीय मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) प्रशिक्षण का शिक्षकोंशिक्षामित्रों ने बहिष्कार किया। प्रशिक्षण सुबह 9.30 बजे से प्रारंभ होना था, लेकिन 11.30 बजे तक 100 प्रशिक्षार्थियों के सापेक्ष मात्र 10 प्रशिक्षार्थी हाल में उपस्थित थे। प्रशिक्षण के बहिष्कार के संबंध में कुछ शिक्षकों ने बताया कि बिना किसी अग्रिम नोटिस दिए जनपद के 78 शिक्षकों का वेतन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया। वर्ष 2023 में एफएलएन प्रशिक्षण का पैसा जो शिक्षकों को दिया जाना था अभी तक विभाग ने भुगतान नहीं किया है ये उच्चाधिकारियों की लापरवाही है। शिक्षकों ने बताया कि जब तक शिक्षकों का बाधित वेतन जारी नहीं किया जाता, पिछले वर्ष के प्रशिक्षण का धनराशि भुगतान नहीं हो जाता है तब तक एफएलएन के प्रशिक्षण का पूर्णतः बहिष्कार रहेगा। खंड शिक्षा अधिकारी वंशीधर सिंह ने बताया की शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण का बहिष्कार किए जाने की जानकारी मिलते ही वह मौके पर पहुंच गए। शिक्षकों से वार्ता के बाद सभी शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए और प्रशिक्षण सफलतापूर्वक जारी है।

पूर्व प्रधान व तत्कालीन सचिव से 17.95 लाख वसूली का आदेश

संवाददाता-महराजगंज। जिलाधिकारी अनुनय झा ने विकास खंड लक्ष्मीपुर के तत्कालीन सचिव से 8,97,752 रुपये और पूर्व ग्राम प्रधान शब्बीर अहमद से 8,97,725 रुपये वसूली का आदेश दिया है। सचिव और पूर्व ग्राम प्रधान पर 136 व्यक्तिगत शौचालय और 7 सोलर लाइट ग्राम पंचायत में न लगवाकर धन का दुरुपयोग करने का आरोप सही पाया गया है। विकास खंड लक्ष्मीपुर के ग्राम पंचायत बहोरपुर में नुरूल्लाह खान की शिकायत पर 22 सितंबर 2023 में दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी के जांच में दोषी पाए जाने पर बहोरपुर के पूर्व प्रधान को पंचायती राज विभाग ने नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा था। 28 मार्च 2024 को पूर्व ग्राम प्रधान ने स्पष्टीकरण दिया। जांच में पाया गया कि ग्राम पंचायत में 40 लाभार्थियों को शौचालय निर्माण के लिए पैसा दिया गया जबकि अन्य लाभार्थियों को धनराशि नहीं दी गई। जांच में 25 सोलर लाइट मौके पर पाई गई जबकि सात सोलर लाइट न लगवाकर एक लाख 63 हजार 450 रुपया का दुरुपयोग किया गया। जांच में पाया गया कि 412 व्यक्तिगत शौचालयों में से 136 शौचालयों का निर्माण नहीं कराया गया। डीपीआरओ श्रेया मिश्रा ने बताया कि शौचालय निर्माण और सोलर लाइट लगवाने में पूर्व ग्राम प्रधान और तत्कालीन पंचायत सचिव ने 17,95,450 रुपये का दुरुपयोग किया। कुल धनराशि का आधा 8,97,725 रुपये तत्कालीन पंचायत सचिव मिलिंद चौधरी और 8,97,725 रुपये पूर्व प्रधान से वसूली का आदेश जिलाधिकारी ने दिया है।

सप्त दिवसीय श्री राम कथा का हुआ समापन

-भारतीय बस्ती संवाददाता- अयोध्या प्रभु राम हमारे आचरण और हमारे उत्तम विचार में अवश्य विराजमान होने चाहिए। यही उनकी सबसे बड़ी भक्ति है। उन्होंने आदर्श राजा, उत्कृष्ट भाई, श्रेष्ठ पुत्र, महान मित्र की भूमिका एक साथ निभाई तथा एक मानक स्थापित किया। उक्त विचार श्री राम नगर के जानकीघाट स्थित श्रीराम हर्षणम में चल रही सप्त दिवसीय श्रीरामकथा के समापन पर राष्ट्रीय कथाव्यास अवधबिहारी कुंज पीठाधिपति याज्ञिक सम्राट श्रीमहंत गणेश दास लश्करी महाराज ने कही।

उन्होंने बताया कि प्रभु राम के नाम मात्र से रावण जैसे अत्याचारी का अंत हो जाता है और अंदर के सारे क्लेश पाप और कुविचार समाप्त हो जाते हैं। लंका से प्रभु श्री राम अयोध्या पहुंचे भरत की से मिले। सभी माता और समाज से मिलने के बाद गुरु जी ने राज्याभिषेक कराया कई हजार वर्षों तक प्रभु श्री राम ने राज्य किया आज भी रामराज का उदाहरण दिया जाता है भगवान ने पृथ्वी पर मर्यादा की स्थापना की और पुनः गोलोकधाम चले गए। श्री राम कथा के समापन पर ब्रह्मपीठाधीश्वर कठिया परिवाराचार्य अनंत विभूषित स्वामी रामरतन दास महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ इस अवसर पर उन्होंने कहा की स्वामी गणेश दास जी महाराज इस समय निरंतर श्री राम कथा का प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं और श्री राम कथा का एक भी प्रसंग वह छोड़ते नहीं है इसको लेकर के हमारे गुरुदेव भगवान भी इसे बहुत प्रसन्न रहते थे और कई बार उनकी कथा सुने हैं आप लोगों का सौभाग्य है जो इनके कथा श्रवण का अवसर आप लोगों को प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर दर्जनों संत महंत उपस्थित रहे जिनका सम्मान किया गया।कथा के विश्राम बेला पर मुख्य यजमान ओम प्रकाश ताम्बी, राधेश्याम आकड़ रामजीलाल रावत, रामबाबू रावत प्रहलाद रावत भंवरलाल राजोरिया कृष्ण मुरारी कूलवाल रवि रावत सहित अन्य लोगों ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया।

बहराइच में लोमड़ी तो महराजगंज में तेंदुए ने उड़ाई नींद, ग्रामीण जागकर-लाठी डंडे से कर रहे खुद की रखवाली

संवाददाता-महराजगंज। एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश का बहराइच और सीतापुर जनपद में आदमखोर भेड़ियों के आतंक है, वहीं दूसरी तरफ महराजगंज जनपद में भी खूंखार तेंदुए के आतंक साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। जिसके चलते लोग दिन हो या रात सुबह हो या शाम डर के माहौल में जीने को मजबूर हो रहे हैं। खूंखार तेंदुए से अपने आप को बचाने के लिए ग्रामीण रात-रात भर झुंड और समूह में लाठी डंडों के साथ जागते हुए नजर आ रहे हैं तो वही दिन में भी कुछ इसी तरह का हाल है। महराजगंज जनपद के सोहगीबरवा जंगल से सटे नौतनवा थाना क्षेत्र स्थित रामनगर गांव में आदमखोर तेंदुए ने बीते दिनों जहां खेत में काम करने किसान पर जानलेवा हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया था। उसके बाद अब यह आदमखोर तेंदुआ बार-बार गांव के पास पहुंच रहा है, जिसके दहाड़ से पूरा गांव डरा और सहमा हुआ है। गांव वालों का कहना है कि पहले सब ठीक था, लेकिन जिस तरह बहराइच और सीतापुर में बीते 10-15 दिनों से आदमखोर भेड़िए का आतंक देखने को मिल रहा है, उसके बाद से ही जंगल से सटे गांव के लोग भी अब भयभीत हो गए हैं। और डरे सहमे रह रहे हैं। जिस जगह रात के करीब 2:00 बजे तेंदुआ निकला था, वहां के लोग तेंदुए के डर से रात-रात भर जाग रहे हैं। लोग सो नहीं पा रहे हैं। लाठी और डंडों से अपनी जान- माल और परिवार की सुरक्षा करते हुए नजर आ रहे हैं।

साथ ही साथ जंगल सटे गांव में रखवाली करते हुए नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि 10 से 15 दिन पहले यह बड़े ही आसानी से सुबह शाम अपने खेतों में और गांव में टहलते थे, लेकिन जिस तरह आदमखोर तेंदुए के द्वारा लोगों का शिकार बनाया जा रहा है, उसके बाद से ही वह झुंड में निकलते हैं। लाठी डंडों से सुरक्षा करते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही साथ समय-समय पर आग जलाते हुए नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आदमखोर तेंदुए के मुंह में खून लग गया है, जिससे ग्रामीण डरे और सहमे हुए हैं। वहीं, वन विभाग की टीम की टीम भी रात में काम्बिंग करती हुई नजर आ रही है।

किसानों को लेकर कंगना की टिप्पणी पर भड़के कांग्रेसी, जुलूस निकाला

संवाददाता-महराजगंज। बीजेपी सांसद द्वारा किसानों को लेकर की गई टिप्पणी से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को निचलौल में विरोध प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला फूंका। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीजेपी सांसद को पार्टी से बर्खास्त करने की मांग की। कार्यकर्ता घोड़हवा चौराहे से विरोध जुलूस निकालकर नगर के प्रमुख स्थानों से होकर गुजरे। भारतीय किसान संघर्ष समिति के किसान और कांग्रेस नेता राजू कुमार गुप्ता ने कहा कि बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने पिछले दिनों मीडिया में दिए गए इंटरव्यू में किसान आंदोलन पर अन्नदाता किसानों के बारे में प्रतिकूल टिप्पणी की। बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा करने की बात कही। किसान नेता ने कहा कि बीजेपी किसान विरोधी है, इसीलिए किसानों के लिए काला कानून लेकर आई थी। बीजेपी कंगना रनौत की सदस्यता रद्द करे और एनएसए के तहत कार्यवाही करे। सिसवा विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा कि बीजेपी हमेशा किसानों की विरोधी रही है। चुनाव के समय सरकार ने घुघली और गड़ौरा चीनी मिल चलाने का वायदा कर किसानों से वोट लिया। लेकिन सरकार ने मिल अभी तक नहीं चलाया। यह किसानों के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की करनी-कथनी को जनता के बीच में जाकर चौराहों पर नुक्कड़ सभा के माध्यम से पोल खोली जाएगी। इस दौरान भारतीय किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीदेव उपाध्याय, छब्वनारायण शर्मा, जाहिद अली, सोनू आनंद कन्नौजिया, विनोद गुप्ता, राजाराम साहनी, कोमल, राजेंद्र भारती, बिन्दु गुप्ता, रेखा यादव, मोदा देवी, रंजना देवी, मनीषा देवी, इंद्रावती देवी आदि मौजूद रहीं।

जर्जर सड़क बनवाने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

संवाददाता-महराजगंज। परतावल ब्लाक के ग्राम पंचायत धरमपुर बड़ा गांव में सड़क बदहाल हो गई है। काफी दिनों से सड़क निर्माण की मांग करने वाले ग्रामीण सोमवार को अपनी मांग को लेकर सड़क पर उतर गए। सड़क बनवाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। लक्ष्मीपुर देउरवां संपर्क मार्ग से धर्मपुर बड़ा गांव को जोड़ने वाली सड़क इस समय पूरी तरह से जर्जर हो गई है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिसके कारण राहगीरों को आने-जाने में काफी परेशानी होती है। कई बार राहगीर उसमें गिरकर चोटिल हो गए हैं। सबसे ज्यादा समस्या बरसात के समय में होती है। बरसात के समय में यह सड़क पूरी तरह से कीचड़ और पानी से सराबोर हो जाती है, जिसके कारण राहगीरों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। सोमवार को इसी सड़क के निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने मांग की कि शीघ्र ही इस बदहाल सड़क का निर्माण व्यापक जनहित में कराया जाए। प्रदर्शन करने वालों में सामाजसेवी राजेश्वर यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य खूबचंद यादव, जितेंद्र यादव, मंजेश प्रजापति, सहावल चौरी, देवनंदन चौधरी, शेषनाथ चौधरी, बृजमोहन चौधरी, राजेंद्र चौधरी, प्रभु चौधरी, हरिश्चंद्र, राजमंगल यादव, मनोज जायसवाल, संजय जायसवाल, दीपचंद यादव, सलीम खान, मोहित अंसारी आदि लोग शामिल रहे।

मां की मौत का बहाना कर फौजी की कार रख दी गिरवी

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र में जालसाज एक सेवानिवृत आर्मी जवान से मां के मौत का बहाना कर 16 अगस्त को उसकी कार दो दिन के लिए मांगकर ले गए और तीसरे के हाथ गिरवी रख दी। एक सप्ताह तक इंतजार के बाद गाड़ी वापस नहीं मिली तो फौजी ने गुलरिहा पुलिस को तहरीर दी। इस बीच फौजी ने भी गाड़ी की खोजबीन शुरू की। एक सप्ताह बाद उसे गाड़ी मिल गई। जिसके बाद गुलरिहा पुलिस ने गाड़ी थाने लाकर बिना केस दर्ज किए ही गाड़ी ले जाने बात कही। इस पर गाड़ी मालिक बिना केस दर्ज हुए गाड़ी ले जाने से मना कर दिया। जिसके बाद गुलरिहा पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। जानकारी के मुताबिक, क्षेत्र के मुगलहा निवासी बसंत प्रसाद चौहान सेना से सेवा निवृत्त सूबेदार मेजर हैं। वर्तमान में मानबेला सब स्टेशन पर एसएसओ के पद पर तैनात हैं। सब स्टेशन पर गुलरिहा क्षेत्र का एक लाइनमैन काम करता है, जिसने शाहपुर क्षेत्र के एचएन सिंह की रहने वाली अन्नू श्री को कार दिलवा दी। आरोप है कि अन्नू श्री अपनी मां की मौत का हवाला देते हुए दो दिन के लिए गाड़ी मांगी थी, एक सप्ताह बीत जाने के बाद गाड़ी वापस नहीं की तो बसंत प्रसाद ने अन्नू श्री से गाड़ी मंगवाने का दबाव बनाया। इस पर आरोपित ने इधर उधर का बहाना कर 22 अगस्त को गाड़ी वापस करने की बात कही। गाड़ी नहीं मिली तो पीड़ित ने गुलरिहा थाने में लिखित सूचना दी। आरोप है कि गुलरिहा पुलिस के रवैए को देखते हुए पीड़ित खुद ही गाड़ी की खोजबीन शुरू की तो पता चला की एक अन्य युवती और उसके भाई के साथ मिलकर अन्नू श्री ने गुलरिहा के सरैया निवासी एक युवक के पास गाड़ी 80 हजार रुपए में बंधक रख दी।

मनबढ़ तस्करों ने पुलिसकर्मियों पर की फायरिंग, फरार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। गो तस्करों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। घटना एक दिन पहले की है। पुलिस टीम ने दो तस्करों को पकड़ लिया था लेकिन दो फरार होने में सफल रहे थे। मनबढ़ लोगों को सबक सिखाने के लिए रविवार भोर में लगभग 300 पुलिसकर्मियों ने अलनपुर गांव को घेर लिया और एक–एक घर में सर्च अभियान चलाया। दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। पूरा अभियान लगभग चार घंटे से अधिक समय तक चला। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र का अलनपुर गांव अलग–अलग कारणों से अक्सर चर्चा में रहता है। एक दिन पहले पुलिस टीम पशु वध के आरोपियों की तलाश में निकली थी। अलनपुर गांव के पास बलरामपुर माइनर पर पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपी गिरफ्तार हुए थे, उन्हें पकड़ कर जेल भेज दिया। दो आरोपी फरार हो गए थे।

जातिवाद देश के लिए जहर, हिंदू जातियों में न बंटें –चंपत राय

संवाददाता–संतकबीरनगर। शहर के ठाकुरद्वारा मोहल्ले के एक निजी मैरिज हॉल में विश्व हिंदू परिषद का 60वां स्थापना दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता चंपत राय ने कहा कि मंदिर आंदोलन की सफलता के बाद विहिप ने देश में गो हत्या पर प्रतिबंध, मतांतरण और लव जिहाद पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया है। देश के सभी प्रखंडों में सेवा केंद्र शुरू करने और सभी पंचायतों में समिति गठित करने में विहिप के कार्यकर्ता से लेकर अधिकारी तक लगे हैं। सामाजिक जागरूकता के माध्यम से विहिप ने अब तक 63 लाख हिंदुओं को मतांतरित होने से बचाया, वहीं नौ गोरक्ष प्रांत के प्रांत मंत्री नागेंद्र ने कार्यकर्ताओं को परिषद के गठन, उद्देश्यों और प्रभाव के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना सभी हिंदू धर्म कार्य, संस्कार एवं संस्कृति को जागरूक करना और धर्मांतरण, लव जिहाद, गो हत्या रोकना, मठ मंदिर की रक्षा और धर्म आचार्यों के सम्मान की रक्षा करने के लिए हुई है।

लाखों हिंदुओं के बलिदान के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण प्रारंभ हुआ है। इस दौरान जिलाध्यक्ष रविन्द्र नाथ सिंह, अजीत सिंह, डॉ. भारती, अनुराग त्रिपाठी, शौर्य प्रताप राय, रोहित त्रिपाठी, यशस्वी, शेष प्रताप सिंह, विजय पांडेय, अतुल सिंह, रौनक सिंह, कृष्ण पांडेय, आनंद शंकर पाठक आदि मौजूद रहे।

दुबई में फंसे चार युवक, फैक्ट्री में बंधक बनाकर मजदूरी कराने का आरोप, जालसाजी का मुकदमा दर्ज

संवाददाता–संतकबीरनगर। टूरिस्ट वीजा पर विदेश भेजकर जालसाजी करने का मामला फिर सामने आया है। संतकबीर नगर के चार युवकों को टूरिस्ट वीजा पर एक संस्था ने दुबई भेज दिया और अब वह पिछले छह महीने से एक फैक्ट्री में बंधक बनकर मजदूरी कर रहे हैं। उसी जिले के महुली थाना क्षेत्र के भगता निवासी धर्मेंद्र कुमार की तहरीर पर कैंट पुलिस ने सिंघड़िया स्थित गल्फ टेक्निकल इंस्टीट्यूट के संचालक संतोष सिंह पर केस दर्ज कर लिया है। युवकों को धर्मेंद्र ने ही विदेश भेजवाया था। जानकारी के मुताबिक, धर्मेंद्र ने पुलिस को बताया कि अपने परिचित महुली के रोतापार निवासी नूर मोहम्मद के माध्यम से विदेश भेजने वाली संस्था गल्फ टेक्निकल इंस्टीट्यूट में गए थे। मालिक संतोष सिंह के द्वारा चार युवकों मोहम्मद कैफ, मोहम्मद नौशाद, निरंजन, डली मोहम्मद को विदेश भेजा गया। सभी से दो–दो लाख रुपये उसे दिए गए थे, जिसमें एडवांस के तौर पर एक लाख रुपये फोन पे के जरिए और एक लाख कैश दिया गया था। चारों युवक 23 फरवरी को दुबई भेजे गए। संस्था ने सभी को टूरिस्ट वीजा पर भेजा था। वहां जाने पर युवकों को नौकरी की जगह बंधक बनाकर मजदूरी कराई जा रही है। धर्मेंद्र ने बताया कि उन्हें मजदूरी नहीं दी जा रही है और तरह–तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है। जिससे उन्हें कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि किसी तरह से पीड़ितों ने उनसे संपर्क किया, जिसके बाद जानकारी हो सकी है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी का भरण पोषण न करने वाले पति को न्यायालय ने भेजा जेल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय रमेश चन्द्र की अदालत ने पत्नी का भरण न करने वाले पति बदरुद्दीन पुत्र पीरूद्दीन को जेल भेजा दिया है। वह महराजगंज जनपद के पुरन्दरपुर थानाक्षेत्र के ग्राम बहोरपुर का रहने वाला है। शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र की अशिया खातून की शादी वर्ष 2012 में महराजगंज जिले के पुरन्दरपुर थानाक्षेत्र के ग्राम बहोरपुर निवासी बदरुद्दीन पुत्र पीरूद्दीन के साथ हुई थी। उसे ससुराल वालों ने दहेज के लिए मार पीटकर घर से निकाल दिया था और कोई खोजखबर नहीं ले रहा था। कई बार पंचायत हुई, जिसमें भी उसे ससुराल वालों ने घर में रखने से इनकार कर दिया। मजबूर होकर उसने अपने पति के खिलाफ भरण पोषण की याचिका न्यायालय में दाखिल की थी। उसकी याचिका का निस्तारण वर्ष 2017 में ही हुआ था और न्यायालय ने आदेश दिया था कि पति प्रतिमाह तीन हजार रुपये पत्नी को भरण पोषण की धनराशि की अदायगी प्रतिमाह करें, लेकिन पति ने एक भी पैसे का भुगतान नहीं किया। पत्नी ने परिवार न्यायालय में भरण पोषण की धनराशि दिलवाने की गुहार लगाते हुए इजरा की याचिका दाखिल किया, लेकिन पति किसी न किसी बहाने आना कानी करता रहा और भुगतान नहीं किया। न्यायालय ने पति के खिलाफ गिरफ्तारी एवं वसूली वारंट जारी किया। इसके बावजूद भी कोई सफलता नहीं मिली। न्यायालय के समक्ष पति ने भरण पोषण की धनराशि पति को देने से इनकार कर दिया, जिससे न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। उसके ऊपर अगस्त तक कुल तीन लाख छह हजार रुपये भरण पोषण की धनराशि बकाया थी।

हाइवे पुल पर दुर्घटना में पलटा ट्रक, वन वे हुआ आवागमन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में सोमवार की सुबह मेंहदावल बाईपास पुल पर दुर्घटना में एक ट्रक पलट गया। इससे इस लेन पर आवागमन ठप हो गया। एक ही लेन से दोनों तरफ का यातायात जारी रहा। यातायात पुलिस कर्मी ट्रक हटवाकर बहाल करने के लिए लगे हैं। यातायात निरीक्षक ने बताया कि मेंहदावल बाईपास पुल पर एक ट्रक खराब होकर खड़ा था। इस ट्रक में एक अनियंत्रित पिकप आकर भिड़ गया। इसके बाद ट्रक पलटने से आवागमन बाधित हो गया। वाहनों के संचालन के लिए नेदुला बाईपास से डायवर्जन कर दिया गया। नेदुला से डीघा बाईपास तक एक लेन से संचालन हो रहा है। यातायात बहाल कराने के लिए टीम लगी है।

गीडा बाईपास के निर्माण और स्कूल ड्रेस में लागू हो पुरानी व्यवस्था, उद्यमियों ने मुख्य सचिव से की कई मांग

संवाददाता–गोरखपुर। लघु उद्योग भारती के मण्डल अध्यक्ष दीपक कारीवाल के नेतृत्व में गीडा के उद्यमियों का एक प्रतिनिधिमंडल लखनऊ के लोकभवन में मुख्य सचिव और औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उद्यमियों ने ट्रैफिक जाम से निजात के लिए गीडा बाईपास, प्राथमिक स्कूलों में ड्रेस की पुरानी व्यवस्था से लेकर 10 से अधिक मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्य सचिव ने सभी मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय लिए जाने का आश्वासन दिया। लघु उद्योग भारती ने मगहर से जुडियान, भलवटिया, बांसपार होते हुए तेनुआ टोल प्लाजा तक एक लिंक रोड बनाने की मांग रखी। जिससे उद्यमियों को एक वैकल्पिक मार्ग मिल सके। इसके साथ ही गोरखपुर में भी एमएसएमई विभाग का एक कार्यालय खोलने की मांग रखी। उद्यमियों ने रेडीमेड गारमेंट को लेकर एक कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना पर जोर दिया। प्रतिनिधि मंडल ने रिक्त चल रहे प्रदूषण विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक पर पर नियुक्ति की मांग रखी। उद्यमियों ने उप्र एमएसएमई नीति 2022 के अन्तर्गत स्टाम्प ड्यूटी प्रतिपूर्ति के सम्बन्ध में शासनादेश जारी करने की मांग की। वहीं मांग हुई कि गीडा में नए उद्योगों को अपने उत्पादन प्रारंभ का प्रमाण देने पर उसे उत्पादन रत माना जाना चाहिए। विस्तारण शुल्क की सीमा को दो साल से बढ़ाकर तीन साल करने की मांग की गई। फायर एनओसी के लिए पानी टैंक की जगह प्रत्येक 10 उद्योग पर एक फायर हाइड्रेंट का कनेक्शन सार्वजनिक रूप से लगाने की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि परिषदीय स्कूलों में बच्चों के लिए ड्रेस, जूता–मोजा व स्कूल बैग के लिए 1200 रुपये की धनराशि दी जाती है। पहले स्कूल ड्रेस खरीद कर बच्चों को मुहैया कराते थे। पिछले 2 वर्षों से बच्चों के अभिभावकों के खाते में धनराशि डीबीटी के जरिये भेजी जा रही है। इससे रेडीमेड सेक्टर को काफी नुकसान होता है। ऐसे में ड्रेस को लेकर पुरानी व्यवस्था बहाल होनी चाहिए। पावरलूम बुनकरों को बिजली में फिक्स चार्ज में छूट को लेकर भी मांगपत्र सौंपा गया।

ठेले– खोमचे वालों को मिलेगी अलग जगह –डीएम

संवाददाता–संतकबीरनगर। शहर में जाम की समस्या दूर करने के लिए भी प्रशासन ने पहल की है। इसके तहत मेंहदावल बाईपास के आस–पास बने फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों के लिए अलग से जगह दी जाएगी। इस स्थान पर ठेले खोमचे वालों की दुकानें लगवाई जाएंगी। साथ ही सड़क पर गाड़ी न खड़ी हो, इसके लिए भी प्रबंध किए जाएंगे। जमीन चिह्नित करने का कार्य शुरू हो गया है। शहर के मेंहदावल बाईपास के चौड़ीकरण व सुंदरीकरण का कार्य चल रहा है। यहां पर फुटपाथ का निर्माण कार्य करीब–करीब पूरा हो गया है। जो जगह बची है वहां ठेला–खोमचा वालों का कब्जा है। साथ ही सड़क पर ही वाहन खड़ा हो रहे हैं, जिसके कारण आने–जाने में लोगों को समस्या हो रही है। ऐसे में डीएम ने निर्देश दिए गए हैं कि ठेला–खोमचा लगाने वालों को दूसरे स्थान पर व्यवस्थित किया जाए। साथ ही सड़क पर खड़ा होने वाले वाहनों को वहां से दूर किया जाए। इसे लेकर तैयारी शुरू हो गई है। ठेला–खोमचा को अलग जगह देने के लिए जमीन चिन्हित करने का कार्य शुरू हो गया है। जल्द ही ठेला– खोमचा वालों को यहां से हटा दिया जाएगा।

7000 बुजुर्गों के खातों में नहीं पहुंच रही वृद्धा पेंशन, विभाग और बैंक के लगा रहे चक्कर

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद के करीब सात हजार बुजुर्गों के बैंक खाते में पेंशन नहीं पहुंच पा रही है। ऐसा आधार का सत्यापन न होने से हो रहा है। इसके साथ ही बैंक स्तर से एनपीसीआई पोर्टल से बैंक खाते का लिंक न होने से जनपद के शहरी क्षेत्र के करीब 500 और ग्रामीण क्षेत्र के करीब 6500 लाभार्थियों को लाभ नहीं मिल पा रहा है।

तमाम लोग कंप्यूटर सेंटर पर आधार सत्यापन के लिए पहुंच रहे हैं। इसी तरह एनपीसीआई पोर्टल से बैंक खाते को लिंक कराने के लिए संबंधित बैंक शाखा का चक्कर लगा रहे हैं।

21 राजकीय विद्यालयों में प्रयोगशाला होगी बेहतर, प्रैक्टिकल में मिलेगी सुविधा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। राजकीय विद्यालयों में प्रैक्टिकल की सुविधा बेहतर होने वाली है। इसी साल के अंत तक जिले के 21 विद्यालयों में स्मार्ट प्रयोगशाला बनाए जाने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। साथ ही विद्यालयों में मल्टीपर्पज हॉल और शुद्ध पेयजल के लिए आरओ की व्यवस्था की जाएगी।

सरकारी विद्यालयों में बच्चों का रुझान बढ़े। इसके लिए विद्यालयों को कान्वेंट की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं, जिससे शिक्षा का एक अलग माहौल बन सकें। विद्यालयों को बेहतर बनाए जाने के लिए स्मार्ट लैब बनाया जाना है। जिले के 21 राजकीय विद्यालयों में अतिरिक्त भवन, मल्टीपर्पज हॉल और शुद्ध पेयजल के लिए आरओ लगाया जाने के लिए भवन बनाने के कार्य आखिरी चरण में चल रहा है। इसके बनते ही लैब का काम शुरू हो जाएगा। क्योंकि उसी के हिसाब से कमरा तैयार किया जा रहा है। लैब में एक साथ कई बच्चे खड़े होकर प्रैक्टिकल कर सकें। यह कमरा रिसर्च सेंटर की तरह से रहेगा। सभी 21 विद्यालयों में यह काम इसी वर्ष पूरा हो जाएगा। विभागीय मॉनिटरिंग लगातार चल रही है, इसलिए काम तेजी से हो रहा है। इस संबंध में प्रभारी जिलाविद्यालय निरीक्षक दयाशंकर यादव ने बताया कि विद्यालयों में काम चल रहा है। जिसकी समय–समय पर समीक्षा होती है। स्मार्ट प्रयोग शाला बनाया जाएगा, जिससे बच्चों को सुविधा मिलेगी।

दूषित पानी होने से कई प्रकार की बीमारी होती है। इसलिए विद्यालयों में आरओ लगाया जाएगा, जिससे बच्चों को शुद्ध पेयजल मिल सके। हालांकि अभी विद्यालयों में हैंडपंप से बच्चे पानी पी रहे हैं। समय–समय पानी की जांच करवाई जाती है। जिससे बच्चों को परेशानी न हो। आरओ लग जाने से व्यवस्था और बेहतर हो जाएगी।

नहीं होगी भूमि की दाखिल खारिज, एसडीएम ने लगाई रोक

संवाददाता–अयोध्या। कूटरचना कर बेची गई बरौली स्थित पौराणिक हुलास आश्रम की भूमि का मामला अब तूल पकड़ रहा है। कूटरचना करने वाले महंत व अन्य लोगों पर कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। ग्रामीणों की शिकायत पर तहसील प्रशासन ने संशोधन आदेश को निरस्त कर दिया था। अब एसडीएम ने बेची गई आश्रम की भूमि के दाखिल खारिज पर रोक लगा दी है।

उधर ग्रामीणों ने कूट रचना कर महंत रामचन्दर दास की तरफ से विक्रय की गई भूमि का बैनामा निरस्त करने के लिए वाद दाखिल किया गया है। बरौली के हुलास आश्रम के नाम लगभग 87 बीघा जमीन दर्ज है। यहां के महंत रामचन्दर दास ने राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी कर आश्रम की भूमि को अपने नाम दर्ज करा लिया था। इस मामले में तहसीलदार न्यायालय को गुमराह किया गया। दैनिक जागरण ने जब इस मामले को उजागर किया तो तहसीलदार ने आदेश को निरस्त करते भूमि को फिर से आश्रम के नाम दर्ज कर दिया था।

मगरमच्छ ने बकरी को बनाया शिकार

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के सियारामपुर गांव के कुदरिहा टोले में एक मगरमच्छ ने बकरी को अपना शिकार बना लिया। रोहिन नदी के पास बंधे के किनारे गड्ढे में दिखाई दिए मगरमच्छ को ग्रामीणों ने रविवार को काफी मशक्कत के बाद पकड़ा। इसके बाद वन विभाग को सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार, कुदरिहा टोले के निकट रोहिन नदी के पास एक गड्ढे में एक माह पूर्व लगभग आठ फीट लंबा मगरमच्छ दिखाई दिया था। इसकी सूचना ग्रामीणों ने तिनकोनिया रेंज के रेंजर लव सिंह को दी थी। वन विभाग की टीम ने पहुंचकर मगरमच्छ की काफी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद टीम ने साथ लाई जाल ग्रामीणों को देकर मगरमच्छ दिखाई देने पर तत्काल सूचना देने की बात कही। दोपहर में गड्ढे के पास बकरियां चर रही थीं। उसी दौरान मगरमच्छ एक बकरी को पकड़ कर गड्ढे में खींच ले गया। इससे बाकी बकरियां चिल्लाते हुए भागने लगीं। बकरियों की शोर सुनकर अमरनाथ, शंभू, अभिषेक, काजू, विनोद, पवन आदि ग्रामीण गड्ढे की तरफ भागे तो उन्हें मगरमच्छ नजर आया। उन्होंने जाल को गड्ढे में डाल दिया और काफी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़ लिया।

भरे जाएंगे 264 सड़कों के गड्ढे, पांच लाख आबादी को हिचकोले से मिलेगी राहत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पांच वर्ष से अधिक समय से सड़क के गड्ढों में हिचकोले खा रही पांच लाख से अधिक आबादी के लिए राहत भरी खबर है। 10 करोड़ रुपये की लागत से पीडब्ल्यूडी के राज्य मार्ग, जिला मार्ग व ग्रामीण क्षेत्र के 264 सड़कों में 550 किमी लंबाई में हुए गड्ढों का मरम्मत होगा। इससे शहर समेत ग्रामीण क्षेत्र की पांच लाख आबादी को सड़क के गड्ढों के हिचकोले से राहत मिलेगी।

शहर के नवीन मंडी से आगे सिहेंश्वरी मंदिर जाने वाले मार्ग पर पीडब्ल्यूडी की सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर गड्ढे में बदल चुकी है। इन गड्ढों में जलभराव से वाहन व बाइक चालकों को तो हिचकोले खाने पड़ रहे है साथ ही पैदल राहगीरों की भी मुसीबत रहती है। अब मरम्मत की उम्मीद होने पर इस मार्ग से प्रतिदिन गुजरने वाले अकबर कहते है कि मरम्मत से सड़क के गड्ढों के हिचकोले से राहत मिलेगी। कुछ ऐसा ही हाल ग्रामीण सड़कों का भी है, जहां सड़क के गड्ढों से बेहाल हो चुके राहगीर सांसत झेल रहे है। शोहरतगढ़ क्षेत्र में तुलसियापुर चौराहे से रेड़वरिया मार्ग का निर्माण 2004–05 में पीएमजीएसवाई से हुआ था। बाद में यह सड़क पीडब्ल्यूडी को हस्तांतरित हो गया, लेकिन लंबे समय से खराब है। इसी मार्ग से प्रतिदिन आवागमन करने वाले क्षेत्र के मधवापुर, रेड़वरिया, औदही खुर्द, खरिकौरा,बेनीनगर, बसंतपुर के ग्रामीणों को सांसत झेलनी पड़ रही है। अब इस सड़क के भी मरम्मत की योजना से लोगों को गड्ढों के हिचकोले से राहत मिलने उम्मीद जगी है। पीडब्ल्यूडी के प्रांतीय खंड की 56, निर्माण खंड एक की 87 और निर्माण खंड दो की 121 सड़कों के मरम्मत की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें पांच राज्य मार्ग, एक प्रमुख जिला मार्ग, 26 अन्य जिला मार्ग समेत अन्य ग्रामीण सड़कें शामिल है। इनमें शहर व बांसी क्षेत्र की सड़कों का मरम्मत भी होना है। पीडब्ल्यूडी के तीनों खंडों की तरफ से तैयार की गई कार्ययोजना में 231 ग्रामीण सड़कों का मरम्मत होना है। 860 किमी लंबी इन सड़कों में 550 किमी तक क्षतिग्रस्त होने से गड्ढे हो गए है, जिनकी मरम्मत की जाएगी। शोहरतगढ़ क्षेत्र के रेड़वरिया मोड़ से औदही खुर्द तक सड़क का निर्माण 20 वर्ष पहले हुआ था। 300 मीटर की यह सड़क दो गांवों रेड़वरिया व औदही को तो जोड़ती ही है। इसके अलावा इसी मार्ग से लोग खरिकौरा, बेनीनगर, बसंतपुर जाते है। वर्तमान में बदहाल हो चुकी इस सड़क के मरम्मत की उम्मीद जगी है। इसी तरह बढ़नी समय माता स्थान के सामने से मधवापुर मार्ग बैरिहवा गांव से मधवापुर होते हुए बढ़नी तक आती है। पिछले 20 वर्ष से मरम्मत नहीं होने से बदहाल हो चुकी इस सड़क के पुर्ननिर्माण की उम्मीद ग्रामीणों में जगी है। आरके भारद्वाज, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी ने कहा कि विभाग की क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत की कार्ययोजना बनाकर शासन को भेजने के बाद स्वीकृति मिलने पर मरम्मत कराई जानी है। इसमें राज्य, जिला व ग्रामीण सड़कें शामिल हैं।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
वाद संख्या 58/2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
केशव प्रसाद
बनाम
बालमुकुन्द आदि
1. बालमुकुन्द उम्र करीब 50 साल पुत्र स्व0 हजारी लाल साकिन बर्ड़पुर नं0– 14 टोला निश्चिन्तपुर तप्पा घोष परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 24–09–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **24–09–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नं0मु0–321/2021
धारा– 30 उ0प्र0रा0संहिता 2006
अदालत– श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट सिद्धार्थनगर
राममिलन
बनाम
सरकार आदि
1. मुरली पुत्र झिन्नू 2. धर्मराज पुत्र विन्दा 3. अवधराज 4. संतराम पुत्रगण स्व0 नरेश समस्त साकिनान भकुटहवा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 20–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 02 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या– 73/2024
1. फूलमती उम्र करीब 68 वर्ष पत्नी धर्मराज पाण्डेय 2. बृजेश उम्र करीब 46 वर्ष 3. अवधेश पाण्डेय उम्र करीब 38 वर्ष 4. रविन्द्र पाण्डेय उम्र करीब 36 वर्ष पुत्रगण धर्मराज पाण्डेय 5. वंदना उम्र करीब 34 वर्ष पुत्री धर्मराज पाण्डेय समस्त निवासीगण ग्राम भरमा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 28–09–2024

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 09 के 28 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कं0वाद सं0–T202317140100258
धारा– 144 उ0प्र0रा0संहिता 2006
अदालत– श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय हर्रैया जिला–बस्ती
फूललाल
बनाम
बनहा आदि
साकिन मौजा बिरऊपुर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
1. बनहा पुत्र भुजंगा साकिन व तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. ग्राम पंचायत बिरऊपुर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. राज्य सरकार जरिये कलेक्टर बस्ती

तारीख पेशी 03–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com